हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 01 अंक–43 : जौनपुर, बुधवार 05 अक्टूबर 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

आस्था के लहरों पर सवार हो निकली गोरक्षपीठाधीश्वर की विजय शोभायात्रा

गोरखपुर ब्यूरो : सत्य, न्याय और धर्म की विजय प्रतिष्ठा के महापर्व पर मंगलवार की शाम गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पारंपरिक विजय शोभायात्रा आस्था के उमंग–तरंग की लहरों पर सवार होकर निकली। शोभायात्रा में रास्ते भर पुष्पवर्षा होती रही। अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने भी जबरदस्त उत्साह से शोभायात्रा का स्वागत कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया। फूलों से सजे रथ पर गोरखनाथ मंदिर के महंत के पारंपरिक परिधान में शोभायात्रा की अगुवाई कर रहे गोरक्षपीठाधीश्वर का सर्वसमाज के लोगों ने भव्य स्वागत किया। पीठाधीश्वर योगी ने उन्हें आशीर्वाद दिया और मंगलमय जीवन की कामना की है। नवरात्रि अनुष्ठान का प्रसाद भी दिया। नाथ संप्रदाय की विश्व प्रसिद्ध गोरक्षपीठ के कई अनुष्ठान अद्भुत और विहंगम हैं। इन्हीं में से एक प्रमुख अनुष्ठान विजयदशमी की शोभायात्रा है। मंगलवार को शाम साढ़े चार बजे से गोरक्षपीठाधीश्वर की अगुवाई में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। उन्होंने पहले गुरु गोरखनाथ का पूजन किया, फिर उनका आशीर्वाद लेकर खुली जीप के रथ पर सवार हो गए। नाथपंथ के विशेष वाद्ययंत्र नागफनी, तुरही, नगाड़े, डमरू व बैंड बाजे की धुन और हनुमान दल के बालकों के हैरतअंगेज करतब के बीच शोभायात्रा आगे बढ़ी। पूरे रास्ते दोनों किनारे पर श्रद्धा से खड़े लोग गोरक्षपीठाधीश्वर की एक झलक पाने को आतुर नजर आ रहे थे।मुस्लिम समाज ने की पुष्प वर्षा गोरक्षपीठाधीश्वर की अगुवाई वाली शोभायात्रा गोरखनाथ मंदिर से आगे बढ़ी, तो मुस्लिम और बुनकर समाज के लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। उर्दू अकादमी के अध्यक्ष चौधरी कैफुलवरा ने गोरक्षपीठाधीश्वर का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। गोरक्षपीठाधीश्वर ने उन्हें व उनके समाज के लोगों को गोरखनाथ

मंदिर के नवरात्रि अनुष्ठान का प्रसाद दिया। अल्पसंख्यक समाज के लोगों ने इस प्रसाद को माथे से लगाकर गोरक्षपीठाधीश्वर के प्रति कृतज्ञता जताई। इस दौरान रास्ते के दोनों तरफ बने मकानों पर बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाएं व बच्चे अपने स्मार्टफोन में योगी की तस्वीर खींचते रहे। चौधरी कैफुलवरा ने बताया कि उनका परिवार पीढ़ियों से गोरक्षपीठाधीश्वर की शोभायात्रा का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि गोरक्षपीठ मत, मजहब के विभेद से परे सभी को मानव मात्र के नजरिये से देखता है। सिंधी समाज ने किया स्वागत गोरक्षपीठाधीश्वर का रथ आगे बढ़ा तो निर्माणाधीन श्री झूलेलाल मंदिर के समीप बड़ी संख्या में मौजूद सिंधी समाज के लोगों ने फूल मालाओं से उनका व शोभायात्रा का जोरदार स्वागत किया। राजेश नेभानी, विक्की कुकरेजा, देवा केसवानी, हरीश तुलसियानी, लक्ष्मण बुधवानी और राकेश जुमनानी ने फूल बरसाए। मानसरोवर मंदिर तक पूरे रास्ते में शोभायात्रा के स्वागत का सिलसिला चलता रहा। मानसरोवर मंदिर में की देवाधिदेव महादेव की पूजा जय श्रीराम के जयघोष और तमाम वाद्य यंत्रों की धुन के बीच गोरक्षपीठाधीश्वर की विजय शोभायात्रा मानसरोवर मंदिर पहुंची। यहां गोरक्षपीठाधीश्वर ने गोरक्षपीठ से जुड़े मानसरोवर मंदिर पर देवाधिदेव महादेव व अन्य देव विग्रहों की वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा अर्चना की। महादेव का अभिषेक भी किया। मानसरोवर मंदिर में पूजन के उपरांत शोभायात्रा मानसरोवर रामलीला मैदान गई।

मथुरा तिहरा हत्याकांड : मुठभेड़ में मुख्य आरोपी गिरफ्तार : 11 माह पूर्व की थी पत्नी और दो बच्चों की हत्या

मथुरा ब्यूरो : मथुरा में पुलिस ने तिहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने 11 महीने पहले अपनी पत्नी और दो सौतेले बच्चों की हत्या कर उनके शवों को यमुना एक्सप्रेसवे पर फेंक दिया था। पुलिस ने मंगलवार को इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया। बुधवार तड़के थाना शेरगढ़ क्षेत्र में विशम्भरा–पैगांव रोड पर हुई मुठभेड़ में मुख्य आरोपी भी पकड़ लिया गया। उसके पैर में गोली लगी है। आरोपी फिरोजाबाद का रहने वाला है। दो अन्य आरोपी फरार हैं। दो नवंबर 2021 को यमुना एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन 78 (कोतवाली सुरीर) और माइलस्टोन 74(थाना नौहझील) पर दो बच्चों के शव मिले थे। चार नवंबर को माइलस्टोन–129(थाना बलदेव) में महिला का शव मिला था। इनकी शिनाख्त करिश्मा (31) और उसके दो बेटे दिव्यांश (8) व सूर्यांश (6) के रूप में हुई। ये गांव फरीदा, थाना एका (फिरोजाबाद) के निवासी थे। तीनों की हत्या फिरोजाबाद के यशपाल ने अपने साथियों के साथ की थी। यशपाल करिश्मा का तीसरा पति है। आरोपी ने की थी कोर्ट मैरिज जानकारी के मुताबिक करिश्मा की शादी करीब 12 साल पूर्व विक्की निवासी मुरादगंज (औरैया) से हुई थी। डेढ़ साल

बाद ही बीमारी के चलते पति की मौत हो गई थी। पहले पति से उसका बेटा दिव्यांश था। पति की मौत के बाद उसकी शादी देवर उपेंद्र से हुई। उससे दूसरा बेटा सूर्यांश पैदा हुआ। शादी के कुछ वर्षो बाद पति उपेंद्र से करिश्मा अलग हो गई। उसने ट्रक चालक यशपाल से कोर्ट मैरिज कर ली। यशपाल दोनों बच्चों को स्वीकार नहीं करना चाहता था, जिससे दोनों में झगड़े होने लगे। ऐसे दिया था हत्याकांड को अंजाम पुलिस के मुताबिक अभियुक्त यशपाल शातिर किस्म का अपराधी है। वह दिल्ली में किराये पर रहता था। उसने अपने साथियों के साथ योजनाबद्ध तरीके से अपनी पत्नी और दो सौतेले बच्चों की हत्या की। साजिश के तहत यशपाल अपने साथी रवि की स्कार्पियो में पत्नी और बच्चों को बैठाकर गांव जाने के बहाने दिल्ली से चला। रास्ते में आरोपियों ने मां–बेटों को गला घोंटकर मारा डाला और शवों को यमुना एक्सप्रेसवे पर अलग–अलग जगह फेंक दिया।

बर्तन व्यवसायी ने खुद को गोली मारकर दी जान

मैनपुरी ब्यूरो : मैनपुरी के मोहल्ला गाड़ीवान निवासी एक बर्तन व्यवसायी ने बुधवार की सुबह खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। व्यवयासी की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि व्यापार में हुए घाटे से व्यवसायी परेशान चल रहे थे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गाड़ीवान निवासी 52 वर्षीय बर्तन व्यवसायी पदम कांत जैन की लोहा मंडी में दुकान थी। कुछ समय से व्यापार में हो रहे घाटे से वह परेशान चल रहे थे। बुधवार की सुबह करीब 10 बजे उन्होंने घर के कमरे में अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से कनपटी में गोली मार ली घटना से घर में चीख–पुकार मच गई। आनन–फानन परिजन पदम कांत को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मृतक के पुत्र मोहित जैन की ओर से कोतवाली में घटना की तहरीर दी है।

147 दिन बाद दौड़ेगी देश की पहली रैपिड रेल : दुहाई डिपो में पहुंच चुके हैं दो रैक

मेरठ ब्यूरो : दिल्ली से मेरठ के बीच चलने वाली प्रस्तावित रैपिड रेल के मुख्य ट्रायल का काउंटडाउन शुरू हो गया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने अपनी वेबसाइट पर बताया है कि मात्र 147 दिन बाद रैपिड रेल ट्रैक पर दौड़ती हुई दिखाई देगी। रैपिड रेल के चलने से जहां यात्री आसानी के साथ रफ्तार में साहिबाबाद से दुहाई तक पहुंच जाएंगे, वहीं शहर को जाम से भी मुक्ति मिलेगी। दरअसल, मार्च–2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की पहली रैपिड रेल (सरायकाले खां से मोदीपुरम) का शिलान्यास किया था। इसके बाद से ही लगातार सरायकाले खां से मेरठ तक निर्माण कार्य जारी है। मेरठ में शताब्दीनगर में डिपो बनाकर ट्रैक निर्माण, स्लैब आदि कार्य किए जा रहे हैं। यहां से सामान को साइट पर ले जाया जाता है। वहीं, दुहाई डिपो में गुजरात से ट्रेलरों में छह कोच के दो रैक लाए जा चुके हैं। इन ट्रेन सेट को गुजरात के सांवली में स्थित एल्सटॉम कंपनी के प्लांट से ट्रेलर पर लाद कर सड़क मार्ग द्वारा लाया गया है। 940 किमी का सफर तय कर गुजरात से रैपिड रेल गाजियाबाद स्थित दुहाई डिपो पहुंची थी। नवंबर में होगा मुख्य ट्रायल, तैयारी तेज रैपिड रेल के साहिबाबाद से दुहाई तक 17 किमी लंबे प्राथमिकता खंड पर मुख्य ट्रायल रन नवंबर माह से शुरू होगा। ट्रायल रन के मद्देनजर विद्युतीकरण का काम सबसे एडवांस स्टेज में हैं। पहले खंड एलिवेटेड और जमीन पर स्थित भाग में पटरियों को बिछाने का काम लगभग पूरा हो चुका है। दूसरी ओर पहले खंड में सिग्नल संबंधी काम लगभग पूरा हो चुका है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए स्टेशनों के प्लेटफार्म पर स्क्रीन डोर

लगाने का काम जारी है। वहीं स्वचालित सीढ़ियों और लिफ्ट लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। मेट्रो और रैपिड स्टेशन जुड़ने से 50 हजार लोगों को राहत साहिबाबाद के बाद मेरठ रोड तिराहा रैपिड रेल स्टेशन को सीधे शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन से जोड़ने के लिए एफओबी का निर्माण किया जा रहा है। रैपिड और मेट्रो स्टेशन के आपस में जुड़ने से करीब 50 हजार लोगों को सीधे राहत मिलेगी। मेरठ से आने वाले लोग बगैर किसी परेशानी के रेड लाइन मेट्रो में चढ़कर जा सकेंगे। दूसरी ओर रेड लाइन से आने वाले यात्री मुरादनगर, मोदीनगर के साथ मेरठ तक बिना स्टेशन से बाहर आए सीधे यात्रा कर सकेंगे। वहीं एनसीआरटीसी ने साहिबाबाद रैपिड रेल स्टेशन को सीधे वसुंधरा से जोड़ने वाले एफओबी का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स का कहना है कि पहले खंड पर रैपिड रेल का संचालन अगले साल मार्च में प्रस्तावित है। रैपिड रेल के मेरठ सेंट्रल स्टेशन का निर्माण अब पूरी तरह भूमिगत किया जाएगा। स्टेशन की डी वॉल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। यह स्टेशन 55 फीट गहरा (17 मीटर) बनाया जा रहा है। इसकी लंबाई करीब 285 मीटर और 30 मीटर होगी। स्टेशन का निर्माण भूमिगत होने के बाद दिल्ली चुंगी से मेट्रो प्लाजा तक बैरिकेड हटा दिए जाएंगे। मेरठ सेंट्रल स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए दोनों तरफ एक–एक प्रवेश–निकास द्वार बनाया जाएगा। ये दोनों द्वार फुटबॉल चौक से कुछ ही दूरी पर होंगे। दोनों प्रवेश–निकास द्वारों पर एस्केलेटर लगाए जाएंगे।

मानस पुत्र संजीव द्विवेदी ने तीन दीपक जलाकर राष्ट्रीय काव्य दृष्टि अटल जी की समाधि को किया समर्पित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। अटल विश्व बंधुत्वेश्वरम मंदिर निर्माण के लिए श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेई जी पूर्व प्रधान मंत्री के मानस पुत्र संजीव द्विवेदी राष्ट्रीय अध्यक्ष अटल जनशक्ति पार्टी ने किन्नरो द्वारा भेंट की गयी भरत कुंड की पावन मिटटी पर अटल जी की समाधि विजय घाट दिल्ली मे सैकड़ो समाज सेवियो एवं पार्टी पदाधिकारियो के साथ मंदिर निर्माण का तीन दीपक जलाकर राष्ट्रीय काव्य दृष्टि अटल भी अटल जी की समाधि को समर्पित की। पार्टी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष देवेंद्र शुक्ल, प्रदेश उपाध्यक्ष अखिलेश त्रिवेदी, उत्तर प्रदेश सचिव मदन मोहन शर्मा, पिछड़ा वर्ग उत्तर प्रदेश अध्यक्ष हरिशंकर कुशवाहा, दिल्ली विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुशील तिवारी एडवोकेट सुप्रिम कोर्ट विनीत मिश्रा एडवोकेट दिल्ली है कोर्ट राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रावेद्र कुमार गुजरात प्रदेश अध्यक्ष मस्त घिरी जी महराज मेरठ से

समाज सेवी मंजू शर्मा चेल्सी कटारिया गुड्डी राना विमलेश कुमारी बी के मिश्रा वरिष्ठ समाज सेवी दिल्ली मनोज मिश्र एडवोकेट हाई कोर्ट दिल्ली आदि ने मिलकर बंधुत्वेश्वरम मन्दिर निर्माण का दीप जलाए। अटल बिहारी बाजपेई पर लिखा राष्ट्री काव्य दृष्टि अटल समर्पित की जो मानस पुत्र ने 14 वर्षो मे लिखा।

सुंदर नगरी हत्याकांड : मनीष की हत्या करने वाला मुख्य आरोपी साजिद गिरफ्तार : इलाके में तनाव बरकरार

नई दिल्ली ब्यूरो : केस वापस न लेने पर सुंदर नगरी में चाकुओं से गोदकर मनीष नामक युवक की हत्या करने वाले मुख्य आरोपी साजिद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दूसरी तरफ इस मामले में पहले गिरफ्तार हुए तीन आरोपियों आलम, बिलाल व फैजान को मंगलवार को कड़कड़डूमा कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने तीनों आरोपियों की एक दिन की पुलिस हिरासत बढ़ा दी है। अब इन तीनों आरोपियों का साजिद से आमना सामना होगा। मनीष की हत्या का मुख्य आरोपी साजिद को पुलिस ने दो दिन बाद दबोच लिया है। वारदात के बाद से ही यह फरार चल रहा था। हत्या के बाद से ही क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इसके पहले मोबाइल को लेकर हुए झगड़े में जून 2021 में मनीष पर सुंदर नगरी में रहने वाले शाकिर व मोहसिन ने चाकू से हमला किया था। तब पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मोहसिन व उसके परिवार के सदस्य मनीष पर केस वापस लेने का दबाव बना रहे थे। कई बार कहने के बाद भी जब मनीष ने केस वापस नहीं लिया तो मोहसिन ने अपने भाई साजिद के जरिये शनिवार रात को मनीष की हत्या करवाई। हत्या के बाद से ही साजिद व उसका परिवार फरार चल रहे थे, पुलिस की टीमें जगह–जगह उसकी तलाश में दबिश दे रही थीं। गुप्त सूचना पर पुलिस ने साजिद को मंगलवार तड़के हरियाणा से दबोच लिया। साजिद ने मनीष की हत्या के लिए बिलाल, आलम व फैजान को चुना, यह तीनों नशे के लिए कुछ भी करने को तैयार थे। साजिद ने उन्हें शराब पिलाई और चाकू देकर मनीष की हत्या करने भेजा। साजिद से शुरुआती पूछताछ में पुलिस को पता चला कि वह मनीष की इस तरह से हत्या करवाना चाहता था कि कोई चश्मदीद गवाही देते हुए खौफ खाए।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

आपराधिक केस में सही निर्णय लेने के लिए किसी को भी बुला सकती है कोर्ट

प्रयागराज ब्यूरो : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि आपराधिक केस में सही निर्णय तक पहुंचने के लिए विचारण अदालत दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 311 के तहत किसी को भी गवाही के लिए बुला सकती है। भले ही उसका नाम विवेचना के दौरान या चार्जशीट में न आया हो। कोर्ट ने हत्या के मामले में शिकायतकर्ता के बयान कि उसका भाई भी चश्मदीद गवाह है, को समन जारी कर बुलाने के विचारण अदालत के आदेश को विधि सम्मत करार देते हुए उसके खिलाफ दाखिल याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन ने हैप्पी उर्फ अमित की याचिका पर दिया है। याचिका में अपर सत्र न्यायाधीश विशेष अदालत एससी एसटी एक्ट बागपत द्वारागवाह को समन जारी करने की वैधता को चुनौती दी गई थी। याची के अधिवक्ता का कहना था कि शिकायतकर्ता की धारा 311 की अर्जी को स्वीकार कर अदालत ने चश्मदीद गवाह निशांत को बुलाया है, जो कानून के खिलाफ है। क्योंकि इस गवाह का नाम अभियोजन ने नहीं दिया है, न ही विवेचना के दौरान इसका नाम आया और न चार्जशीट में शामिल किया गया। कोर्ट बाहरी किसी भी व्यक्ति को केस की गवाही के लिए नहीं बुला सकती। शिकायतकर्ता की तरफ से अधिवक्ता राधे कृष्ण पांडेय व मनीष पांडेय का कहना था कि घटना के दसवें दिन ही शिकायतकर्ता ने एसपी, बागपत को हलफनामा देकर बताया था कि उसका भाई निशांत भी हत्या का चश्मदीद गवाह है। किंतु विवेचना व केस डायरी में शामिल नहीं किया गया। उसने विचारण अदालत में अर्जी दी और निशांत को गवाही के लिए बुलाने की मांग की। जिसे अदालत ने स्वीकार कर कानून के अनुसार काम किया है, इसलिए याचिका खारिज की जाए। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद कहा कि धारा 311 में साफ लिखा है कि सही निर्णय लेने के लिए अदालत को किसी को भी बुलाने या पुनः बुलाने का अधिकार है। अधीनस्थ अदालत ने कानून के तहत सही आदेश दिया है। कोर्ट ने हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया।

तकनीकी खराबी के कारण ब्लू लाइन प्रभावित : दूसरी सभी सेवाएं जारी

नई दिल्ली ब्यूरो : दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के अधिकारियों ने कहा कि तकनीकी खराबी के कारण बुधवार को दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन पर सेवाएं प्रभावित हुई हैं। द्वारका सेक्टर 21 से नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी / वैशाली तक सेवाओं में देरी। अन्य सभी लाइनों पर सामान्य सेवा जारी है। डीएमआरसी ने यात्रियों को सतर्क करने के लिए सुबह लगभग 7.15 बजे ट्वीट किया। डीएमआरसी के सूत्रों ने बताया कि तकनीकी खराबी के कारण लाइन पर मेट्रो सेवाएं प्रभावित हुई हैं। यह लाइन दिल्ली में द्वारका सेक्टर 21 को नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी से जोड़ती है, और यमुना बैंक स्टेशन से वैशाली तक शाखाएं भी जाती है।

गैस सिलेंडर फटने से मकान जमींदोज : दो बच्चों समेत चार की मौत

गाजियाबाद ब्यूरो : उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में बुधवार को बड़ा हादसा देखने को मिला। यहां एक घर में गैस सिलेंडर फटने से 2 बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। ब्लास्ट में मकान पूरी तरह से जमींदोज

हो गया। वहीं घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। लोनी के अमन गार्डन बबलू गार्डन कॉलोनी में मुनीर (55) परिवार के साथ रहते हैं। वह ऑटो चलाते हैं। बुधवार सुबह वह परिवार के अन्य सदस्यों के साथ घर में मौजूद थे। परिवार की महिला रसोई में खाना बना रही थी। खाना बनाने के दौरान अचानक सिलेंडर फट गया। सिलेंडर फटने से दो मंजिला मकान गिर गया। मकान गिरने से मलबे में परिवार के करीब 6 सदस्य दब गए। पुलिस की टीम ने मलबे में दबे 4 लोगों को बाहर निकाल लिया है। अस्पताल में 10 माह की बच्ची 2 साल का लड़का दो और लोगों को मिलाकर कुल 4 लोगों की मौत हो गई है। एक अन्य महिला का हाथ कटा है। जिसको दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–
श्रेष्ठता जन्म से नही, गुणों से होती है।
–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

मानवता की विजय का उत्सव

अगर विजयदशमी को मानवता की विजय, प्राकृतिक सौंदर्य और वास्तविक रामराज से संयुक्त रखना है, तो हमें सतर्क और सक्रिय रहना पड़ेगा। हमारे समय की विजयदशमी अपने समय के रावण को पहचानने और उस पर विजय प्राप्त करने का आह्वान करती है।

गांव में मेरे बाबा के साथी शिव बालक साहू हम लोगों से पूछते– दशहरा का मतलब क्या है? हम नहीं बता पाते, तब वह बताते कि दस सिरों वाले रावण को राम ने हराया था, इसलिए इसे विजयदशमी कहते हैं। यह राम की रावण पर विजय का पर्व है। इसके बाद आती है दिवाली– विजय का उत्सव। हमारे मन में आज भी दशहरा का यही रूप और महत्व बसा हुआ है। दशहरा को हम दशभुजा दुर्गा से भी जोड़ते हैं। यह दुर्गा प्रकृतिरूपा हैं–चार दिशाएं (पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण), चार कोण (ईशान, नैऋत्व, आग्नेय, वायव्य) और आकाश एवं धरती–सो प्रकृति ही दशभुजा दुर्गा हैं।

रामकथा को दुर्गा कथा से जोड़कर राम की शक्ति पूजा की कल्पना कर ली गई। बचपन में दशहरा के दिन हम शाम में नीलकंठ पक्षी को देखना शुभ मानते थे। मुझे नीलकंठ मोर से ज्यादा सुंदर लगता है। हम मानते थे कि अगर नीलकंठ देख लिया, तो दशहरा शुभ हो गया। उन दिनों नीलकंठ दिखलाई भी पड़ते थे। आजकल शहरों में तो शायद ही नीलकंठ देखने को मिलते हैं। उन दिनों हम सोना लूटने खेतों में जाते थे और लूटते क्या थे, उड़द के पीले फूल। उसे तोड़कर सोना लूटने की कल्पना करते थे। इस तरह रामकथा के पौराणिक मिथक को अपने जीवन में उतार लेते थे।

सिर्फ लंका का सोना लूटने की कल्पना करके नहीं, बल्कि रामकथा के मंचन में नाना पात्रों के रूपों में शामिल होकर राम के जीवन के साथ स्वयं को जोड़कर अपने सामान्य जीवन को धन्य समझते थे। मिथक तब सिर्फ किताबी शब्द नहीं था, बल्कि वह जीवनोत्सव था। आज भी किसी न किसी रूप में यह जीवनोत्सव जीवित है। खेतों में जाकर उड़द के फूल तोड़ना, नीलकंठ देखना बेशक कम होता जा रहा है, लेकिन रामलीला ज्यादा साधन–सुविधाओं, राजनीति के साथ हो रही है। गांव में जनसामान्य की भागीदारी के साथ ही नहीं, बल्कि विशिष्ट अतिथियों, नागरिकों के आने और शामिल होने के साथ।

गांव में हमारा जीवन रामकथा के पात्रों और स्थितियों से भरपूर था। रामलीला उसी का अंग था। सप्ताह में दो बार–मंगलवार और शनिवार को रामचरित मानस का पाठ होता था। उसमें मोहल्ले के कुंजड़े लड़के भी शामिल होते थे। ढोलक हब्बी यानी हामिद बनाते थे। वह पूजा का प्रसाद भी लेते थे। रामलीला के मुख्य प्रबंधक बुद्धु यानी आबिद थे। गांव के सारे शरारती लड़के उसमें पात्र बनते थे–विशेषतः बानर सेना के पात्र। घर से ही प्रसाधन का सामान जुटाते।

गांव का सबसे मोटा आदमी रावण बनता और सबसे लंबा आदमी कुंभकरण। कोई खूबसूरत लड़का सीता बनता और सीधा–सादा लड़का राम। लगभग पंद्रह दिन गांव राम–सीता उत्सव में डूबा रहता। यह जरूर है कि इसमें ज्यादातर अनपढ़ और गरीब मुसलमानों के लड़के शामिल होते, पढ़े–लिखे तथाकथित शिष्ट मुसलमान नहीं। मुहर्रम में इसी तरह हिंदुओं के पिछड़े समाज के लड़के शामिल होते। तथाकथित उच्चवर्गीय हिंदू मुहर्रम में नहीं शामिल होते। यानी दशहरा सांस्कृतिक सहभागिता का उत्सव होता था।

दशहरा जैसे पर्व और उत्सव हमारे देश की प्राकृतिक शोभा और संपदा को जन–जीवन से जोड़कर हमारी परंपरा को समृद्ध और स्वाभाविक बनाते हैं। उत्सव प्रायः दो ऋतुओं के मिलन–संधि, आगमन और फसलों से संबंधित होते हैं। इन ऋतुओं में शरद का विशेष महत्व है, जो वर्षा ऋतु के बाद आती है। वर्षा धन–धान्य की वर्षा का निमित्त बनती है और शरद प्राकतिक सौंदर्य के आस्वाद की ऋतु है। दशहरा केवल राम की विजय का पर्व नहीं, वह राम की विजय को देश की प्राकृतिक सुंदरता से जोड़कर जनमानस की अभिव्यक्ति का उत्सव है।

दशहरा के समय आकाश निर्मल हो जाता है, चंद्र ज्योत्सना ज्यादा सुखद लगती है, जल और वनस्पतियों में नया स्वाद आ जाता है, रोगों का प्रकोप शांत हो जाता है। पितर विदा हो चुके होते हैं। योद्धा शस्त्र पूजा करते हैं, व्यापारी व्यापार यात्रा शुरू कर देते हैं। सामाजिक–आर्थिक रामराज तो हम बनाते–बिगाड़ते हैं। प्राकृतिक रामराज का ऋतु शरद है। हर युग में नए राम और नए रावण पैदा होते हैं। शरद काल हर वर्ष आता है और विजयदशमी भी। विजयदशमी स्वाभाविक है और हमारी जरूरत भी, क्योंकि हमारा सांस्कृतिक द्वंद्व भी अनवरत जारी है।

राम–रावण का युद्ध (दुर्भाग्यवश) सनातन है। अच्छाई और बुराई में द्वंद्व चलता रहता है। इसलिए विजयदशमी विजय का पर्व होने के साथ–साथ विवेक और चिंतन का भी पर्व है। आज विवेक और चिंतन की बहुत जरूरत है और हमारी सांस्कृतिक चेष्टाएं इस दिशा में लापरवाह नहीं हैं। रावण केवल सामने आकर ही नहीं लड़ता था, बल्कि छल–कपट का भी सहारा लेता था। उसने साधु–धर्मात्मा बनकर सीता का अपहरण किया था। वह पुष्पक विमान की सवारी करता था। उसके पास सोने का अपार खजाना था। देवी–देवता उसके दास थे।

रावण रथी, विरथ रघुवीरा –यह स्थिति हमें भ्रमित करती है और निराश भी। हमें विकास और विनाश की परीक्षा करनी है। विजयदशमी के पहले कठिन ग्रीष्म–ताप भी आता है। अकाल, सूखा और बाढ़ भी आती है। इन्हें झेलकर और इनसे बचकर ही हम विजय का पर्व विजयदशमी मना पाते हैं। हमारे देश, समाज और दुनिया के सामने हिंसा, तनाव, कुरीतियां, अंधविश्वास आदि कई तरह की समस्याएं हैं, जिनसे लड़कर हमें विजयी होना है। पर्यावरण संकट, आतंकवाद और भ्रष्टाचार रावण के प्रतीक हैं।

अपार भौतिक संसाधनों की लालसा और उसका संग्रह आसुरी प्रवृत्ति का लक्षण है। उपभोक्तावादी अपसंस्कृति और उसके ठेकेदार हमारे समय में वास्तविक रामराज के विरोधी हैं। प्राकृतिक संसाधनों के दोहन ने पर्यावरण संकट की ऐसी भयावह समस्या पैदा कर दी है कि मानवजाति के अस्तित्व के समक्ष ही संकट खड़ा हो गया है। अगर विजयदशमी को मानवता की विजय, प्राकृतिक सौंदर्य और वास्तविक रामराज से संयुक्त रखना है, तो हमें सतर्क और सक्रिय रहना पड़ेगा। हमारे समय की विजयदशमी अपने समय के रावण को पहचानने और उस पर विजय प्राप्त करने का आह्वान करती है।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

गुटबाजी और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं व प्रशिक्षण न होने से भारत में खेलों की स्थिति चिंतनीय –डॉ आलोक कुमार द्विवेदी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। खेल शिक्षक डॉ आलोक कुमार द्विवेदी ने बताया कि राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक मजबूती तथा वर्चस्व के बाद दुनिया में कोई देश अपनी पहचान खेलों में हासिल की गई उपलब्धियों के आधार पर बनाता है। उदाहरण के लिए क्यूबा, केन्या और इथोपिया जैसे देशों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान खेलों के जरिए ही बनाई है। मुक्केबाजी में क्यूबा और एथलेटिक्स की मध्यम व लंबी दूरी कि दौड़ में केन्या व इथोपिया के खिलाड़ी छाए रहते हैं। दूसरे विश्व युद्ध के बाद जापान , चीन और कोरिया ने भी खेल मैदानों में जलवे दिखा कर दुनिया को अपनी ताकत का एहसास कराया। किसी भी देश की अंतरराष्ट्रीय छवि बनाने में खेलों का महत्व पूर्ण योगदान होता है। खेलों की स्पर्धा जब खेल भावना से होती है, तो वे दो देशों के बीच कटता की दीवारों को गिराने का काम भी करती है। मार्च, 2011 में जब पाकिस्तान की टीम भारत के खिलाफ विश्व कप क्रिकेट का सेमीफाइनल मैच खेलने मोहाली आई, वह दोनों टीमों के बीच कड़े मुकाबले के बावजूद आपसी सौहार्द भी नजर आया। इसलिए भारतीय उपमहाद्वीप में, क्रिकेट डिप्लोमेसी, और यूरोप में फुटबॉल डिप्लोमेसी जैसे शब्द बहुत लोकप्रिय हुए हैं। आज खेलो ने भले ही मैदानी स्पर्धा से व्यवसायिक तक तक का सफर तय कर लिया है, मगर पहले ऐसा नहीं था। कभी भारत में एक कहावत चलती थी, खेलोगे कूदोगे तो होगे खराब पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब,। तब खेल या तो संपन्न लोगों के लिए शौक था, या आम लोगों के लिए सेहतमंद बने रहने का माध्यम। भारत में आजादी से पहले कबड्डी, खो खो, कुश्ती, हॉकी , फुटबॉल और क्रिकेट प्रमुख खेल थे। इनमें से हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट अंग्रेजों की सैनिक मामलों में खेले जाते थे। वहां से निकलकर यह धीरे–धीरे आम नागरिकों तक पहुंचे। क्रिकेट काफी समय तक रियासतों के राजाओं, नवाबों और रसूखदार ओ तक सीमित रहा। मुंबई में बीसवीं शताब्दी के शुरू में यह पेंटा गूलर और क्वांडरी गूलर टूर्नामेंट के जरिए आम लोगों तक पहुंचा। फुटबॉल कोलकाता के मैदानों में लोकप्रिय होने के बाद देश भर में फैल गई। हॉकी में भारत में 1928 में एमस्टरडम में ओलंपिक में पहली बार स्वर्ण पदक जीता, तो यह खेल विदेश के गांव गांव तक पहुंचा लगातार छह स्वर्ण पदक जीतने के परिणाम स्वरूप यह भारत का राष्ट्रीय खेल बन गया हालांकि 2008 में बीजिंग ओलंपिक के लिए भारतीय हॉकी टीम क्वालीफाई भी नहीं कर पाई थी पर अब भी राष्ट्रीय खेल हॉकी है। आजादी के बाद 1951 में पहले एशियाई खेल नई दिल्ली में आयोजित हुए। उनमें भारत 10 स्वर्ण पदक, 12 रजत और 12 कांस्य पदक जीतकर जापान के बाद दूसरे स्थान पर रहा। इस सफलता के बाद देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिला। जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सभी प्रमुख खेलों के प्रशिक्षण का इंतजाम किया गया। इन खेलों की संघ हर स्तर पर गठित करके उन्हें भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन के अंतर्गत लाया गया। केवल भारतीय क्रिकेट बोर्ड स्वायत्त रहा। वह आज भी भारतीय

ओलंपिक एसोसिएशन के अंतर्गत नहीं हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रशिक्षण केंद्र जगह–जगह खोले गए। इन सभी को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं नियमित रूप से आयोजित की जाने लगी। एशियाड और ओलंपिक खेलों जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए पहले से योजना बनाकर प्रशिक्षण दिया जाने लगा। इसके नतीजे भी सामने आए ओलंपिक खेलों में भारत भले ही ज्यादा सफलता नहीं पा सका, लेकिन एशियाड और दक्षिण एशियाई खेलों में भारत में अपनी पहचान बनाई। 1960 के दशक में रामनाथ कृष्णन, 1970 के दशक में अमृतराज बंधुओं, 1980 के दशक में रमेश कृष्णन और उसके बाद लिएंडर पेस, महेश भूपति व सानिया मिर्जा के बेहतरीन प्रदर्शन से भारत में ट्रेन इस लोकप्रिय हुई। 1970 80 के दशक में प्रकाश पादुकोण और उसके बाद सैयद मोदी, पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन में लोकप्रियता प्राप्त की आज वर्तमान समय में सानिया नेहवाल तथा पीवी सिद्धू जैसी प्रतिभाएं बैडमिंटन के क्षेत्र में अपना लोहा मनवाया है। हॉकी में भारत का प्रदर्शन 1968 के मेक्सिको ओलंपिक से गिरना शुरू हुआ, 1975 में कुआलालंपुर में हुआ पहला विश्व कप जीतकर भारत इस खेल के जलवे को बनाए रखा। एथलेटिक्स, कुश्ती और निशानेबाजी मैं भी भारतीय खिलाड़ियों ने समय–समय पर अच्छे प्रदर्शन किए। बिलियर्ड्स और स्नूकर में कई एशियाई और विश्व चौंपियन भारत से निकले। नई दिल्ली में 1982 में आयोजित एशियाई खेलों से आधुनिक खेल सुविधाओं का ढांचा मिला। वही 2010 में हुए राष्ट्रीय खेल मंडलों से या ढांचा और बड़ा। इससे खेलों का प्रचार भी हुआ और हर खेल की राष्ट्रीय टीम में देश के दूरदराज के के गुणों से भी खिलाड़ी आने लगे पिछले दो दशकों में क्रिकेट के अलावा जिस खेल में भारत में सबसे ज्यादा नाम कमाया है वह शतरंज। विश्वनाथ आनंद रूसी वर्चस्व को तोड़कर चार बार विश्व चौंपियन बने। सचिन तेंदुलकर ने पहला टेस्ट मैच खेलने से 2 साल पहले, 1987 में ही आनंद जूनियर विश्व शतरंज चौंपियन बन चुके थे। उनकी उपलब्धियां सचिन तेंदुलकर से कम नहीं मानी जा सकती, क्योंकि उन्होंने बिना किसी सहायता या समर्थन के एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धा खेल में सफलता की बुलंदियों को छुआ है। अंतराराष्ट्रीय अस्तर के अनुरूप बने रहने के लिए उन्हें स्पेन में रहना पड़ा, मगर भी अपनी हर उपलब्धि देश के नाम करते रहे, आनंद की सफलता से प्रेरित होकर भारत में अनेक युवा शतरंज खिलाड़ी सामने आए और ग्रैंड मास्टर बने। भारत में 1932 में पहला क्रिकेट टेस्ट मैच इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेला था। खिलाड़ियों के शानदार के प्रदर्शन के बावजूद देश में क्रिकेट की लोकप्रियता 1971 में तब बड़ी, अजीत वाडेकर की कप्तानी में भारत में वेस्टइंडीज से उसी की धरती पर टेस्ट श्रृंखला जीती। 1983 में कपिल देव की टीम ने वनडे क्रिकेट प्रतियोगिता और 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की टीम ने पहला ज20 विश्व कप जीता, तो क्रिकेट का जुनून खेल प्रेमियों के सिर चढ़ गया। 2008 में आईपीएल की शुरुआत हुई इसके शुरू होने से क्रिकेट के क्षेत्र में नया रोमांच और रिकॉर्ड लोकप्रियता का बना। आज भारत में सभी प्रमुख खेल खेले जाते हैं, मगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत कभी दूसरे एशियाई देशों चीन और जापान जैसा प्रदर्शन नहीं कर सका। इसकी वजह यह है कि यहां की खेल संघों पर गैर खिलाड़ियों का कब्जा, उनके कामकाज में पेशेवरपन का अभाव, गुटबाजी और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं व प्रशिक्षण ना होना। इन बाधाओं को दूर करके भारत खेलों में भी महाशक्ति बन सकता है।

इण्डियन रेडक्रास सोसाइटी द्वारा दुर्गा पूजा पंडाल में कैम्प जारी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोमतीनगर सार्वजनिन पूजा समिति के द्वारा विवेक खण्ड 2, गोमतीनगर में आयोजित श्री श्री दुर्गा पूजा पंडाल में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, लखनऊ शाखा के द्वारा नागरिकों को सहायता तथा आकस्मिक स्थिति में सहयोग प्रदान करने हेतु लगाए गए कैम्प में दर्शन करने आये श्रद्धालुओं की सहायता जारी रही। एक श्रद्धालु को लो ब्लड प्रेशर की समस्या हुई, उसे प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराई गई। इसके अतिरिक्त मेला परिसर में आये नागरिकों को कोरोना से बचाव हेतु 1000 मास्क भी वितरित किए गए। इण्डियन रेड क्रास सोसाइटी के कैम्प में पूर्व नगर विकास मंत्री तथा वर्तमान में स्थानीय विधायक माननीय श्री आशुतोष टण्डन आये तथा उन्होंने इण्डियन रेड क्रास सोसाइटी लखनऊ शाखा द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। कैम्प में इण्डियन रेडक्रास सोसाइटी, लखनऊ शाखा के रूप कुमार शर्मा, प्रदीप

कुमार शर्मा, जितेन्द्र सिंह, कार्तिका माथुर, आशा सिंह, हेमा गुप्ता अर्थ शर्मा अनन्या शर्मा, गौरी कांत दीक्षित श्रद्धालुओं की सहायता हेतु उपस्थित रहे।

बंगाल से आए पंडित संजय मुखर्जी ने ढोल नगाड़े के साथ माता रानी की धुनुचि आरती कीः डॉ राघवेंद्र शुक्ला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री श्री राजराजेश्वरी दुर्गा पूजा के नौवें दिन सुबह आरती और पूजा सम्पन्न हुई। सुबह की पूजा में गोमती नगर जन कल्याण महासमिति के महासचिव/ रक्षा मंत्री के जनसंपर्क अधिकारी डॉ राघवेंद्र शुक्ल, शीला शुक्ला,अनामिका चतुर्वेदी,अशोक गुप्ता, मिसेज गुप्ता,मोनिका कुमारी,डॉ प्रीति श्रीवास्तव,सुमित सिंह उपस्थित रहे। माता रानी का विशाल भंडारा आयोजित था जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। बंगाल से आए पंडित संजय मुखर्जी ने ढोल नगाड़े के साथ माता रानी की धुनुचि आरती की। महा आरती भव्य, दिव्य एवं मंत्रमुग्ध कर देने वाली थी। धुनुचि आरती में गोमती नगर जनकल्याण महासमिति के अध्यक्ष प्रो डॉ बीएन सिंह, डॉ राघवेंद्र शुक्ल, शीला शुक्ला, सीजी नायर, नंदनी मिश्रा, मनोज मिश्रा,अजय तिवारी, मनीष मिश्रा, जानकीपुरम विस्तार के महासचिव विनय कृष्ण पांडेय,मुन्ना सिंह,निर्मला सिंह,प्रखंड समिति के अध्यक्ष अशोक गुप्ता, मिसेज गुप्ता,अनामिका चतुर्वेदी, मोनिका कुमारी,शालिनी चौबे,सुमित सिंह,प्रीति श्रीवास्तव सहित सैकड़ों भक्तों ने माता रानी की भव्य,दिव्य आरती

के दर्शनकर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। गोमती नगर विस्तार प्रखंड समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता, मिसेज गुप्ता अनामिका चतुर्वेदी,प्रीति श्रीवास्तव पूर्णिमा पुष्पक,शालिनी चौबे समेत सैकड़ों भक्तों ने माता रानी की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महाआरती के पश्चात सैकड़ों महिलाओं, बच्चों ने डांडिया एवं गरबा किया जिसने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इंस्पेक्टर आलोक राय ने इनामिया बदमाश किया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कमिश्नरेट लखनऊ में अपराध की रोकथाम व अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु एस0बी0 शिरडकर, पुलिस आयुक्त लखनऊ के द्वारा चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर्णा रजत कौशिक, पुलिस उपायुक्त मध्यलखनऊ, राजेश कुमार श्रीवास्तव, अपर पुलिस उपायुक्त मध्य लखनऊ के कुशल पर्यवेक्षण एवं अरविन्द कुमार वर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर लखनऊ के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक कृष्णानगर आलोक कुमार राय के नेतृत्व में गठित थाना कृष्णानगर पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीयपर पंजीकृत मु0अ0सं0–0062/2022 धारा 60/72 आबकारी अधिनियम व 272/273/420 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त 1. रिन्कू यादव पुत्र राजू यादव निवासी ग्राम मानखेडा पोस्ट घैला थाना मडियावं लखनऊ पिछले कई महिने से वांछित चल रहा था जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस उपायुक्त मध्य द्वारा 15000 / का ईनाम घोषित किया गया था। मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त रिंकू यादव उपरोक्त को

डीआरएम पुलिया के पास से गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गयी है। गिरफ्तारशुदा इनामिया अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेज कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक ज्ञानेश्वर कुमार सिहं, हेड कांस्टेबल राजेन्द्र कुमार, कांस्टेबल लोकेश कुमार, थाना कृष्णानगर कमिश्नरेट लखनऊ शामिल रहे।

दो कॉल सेंटरों पर पुलिस की छापेमारी में 12 महिलाओ समेत 13 लोग गिरफ्तार : वैवाहिक वेबसाइट बनाकर करते थे ठगी

अलीगढ़ ब्यूरो : अलीगढ़ में पुलिस ने मंगलवार को छापा मारकर महानगर के दो कॉल सेंटरों से 13 लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें 12 महिलाएं हैं। गिरफ्तार लोगों में स्थानीय नेटवर्क का सरगना दंपती भी शामिल है। नेटवर्क का मुख्य सरगना झारखंड के जामताड़ा में है। यह गिरोह एक नामी वैवाहिक वेबसाइट की तर्ज पर तीन साल से अपनी वेबसाइट पर विवाह के इच्छुक पुरुषों का रजिस्ट्रेशन करता था। फर्जी दुल्हन से संपर्क कराके ब्लैकमेल कर रुपये ऐंठता था। पूछताछ के बाद सभी को जेल भेज दिया गया है। एसपी सिटी कुलदीप सिंह गुणावत के अनुसार साइबर पोर्टल पर आ रही शिकायतों पर साइबर सेल की मदद से हुई जांच में गांधीपार्क थाने के मोती मिल कंपाउंड व सिविल लाइंस थाने के मथुरा नगर में किराये के मकानों में कॉल सेंटर संचालन की जानकारी मिली। जांच में उजागर हुआ कि सूर्य सरोवर रमेश विहार थानाक्षेत्र क्वार्सी के रहने वाले दंपती देवेंद्र और मालती इन दोनों कॉल सेंटरों का संचालन अपनी निगरानी में करा रहे हैं। दोनों जगह अलग– अलग टीमें काम करती हैं। यह गैंग एक प्रमुख वैवाहिक साइट की तर्ज पर उससे मिलती जुलती डिजाइन की बेस्ट पार्टनर, पार्टनर, माई पार्टनर, विवाह डॉटकाम नाम की वेबसाइट बनाकर ठगी करते थे। पहले ये वैवाहिक विज्ञापन पर आवेदन करने वाले पुरुषों से रजिस्ट्रेशन के नाम पर वसूली करते थे, फिर गिरोह की महिलाएं फर्जी दुल्हन बनकर

बातचीत के दौरान उनसे ठगी या ब्लैकमेलिंग करती थीं। मोती मिल कंपाउंड में एक किराये के मकान में, जबकि मथुरा नगर में सलिल कुमार के मकान में किराये पर यह सेंटर चल रहा था। दोनों जगह पुलिस टीमों ने छापा मारा, जहां मोती मिल से पांच व मथुरा नगर से दंपती सहित आठ लोग गिरफ्तार किए। पूछताछ के बाद शाम को रिमांड मजिस्ट्रेट के समक्ष पेशी के बाद सभी को जेल भेज दिया गया। ये हुए गिरफ्तार देवेंद्र व मालती के अलावा, मोती मिल कंपाउंड के सेंटर की निगरानीकर्ता हजीरा, तुर्कमान गेट की सिदरतिला मुंतहा, सूर्य सरोवर की कनिका शर्मा, बरौला की मधु राजपूत, बैंक कालोनी क्वार्सी की स्नेहा सिंह, जीवनगढ़ की सुमाइला, सारसौल की दीपिका, घनश्यामपुरी की लक्ष्मी, किशनपुर की मोनिका शर्मा, इंदिरा नगर की नम्रता, फदलपुर अतरौली की अंकिता, घनश्यामपुरी की सपना शामिल हैं। गिरफ्तार महिलाओं में एक निगरानी कर्ता है, जबकि बाकी सभी कॉलर हैं। इनको 10 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन व ठगी की गई रकम में से 5 से 10 फीसदी कमीशन मिलता था। छापेमारी में बरामद सामान तीन चेक बुक, एटीएम कार्ड, करीब 52 हजार कैश, 28 सिम कार्ड, 37 मोबाइल, 12 रजिस्टर, छह पीसी, दो प्रिंटर, दो राऊटर, छह सीपीयू, आठ मोनीटर, तीन माउस, छह की–बोर्ड, 9 डाटा शीट, 21 कॉपी, एक फ्लेक्स बोर्ड आदि पिछले कुछ दिनों से साइबर सेल पर मिली शिकायतों को संज्ञान में लेकर जांच की गई। इसी जांच में यह खुलासा हुआ है। इससे जुड़े अन्य नेटवर्कों पर भी टीम काम कर रही हैं।

सेवानिवृत्ति के बाद पैतृक गांव पहुंचे पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक : कहा–अब जयंत–अखिलेश की करेंगे मदद

बागपत ब्यूरो : मेघायल के राज्यपाल पद से सेवानिवृत्त होने के बाद सबसे पहले सत्यपाल मलिक बुधवार को अपने गांव में पहुंचे। यहां प्राथमिक विद्यालय में उनके सम्मान में कार्यक्रम रखा गया। जहां उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठकर खाना खाया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से वार्ता करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह सरकार किसान विरोधी है, सरकार में लोग महंगाई से परेशान है। कहा कि सेवानिवृत होने के बाद उनके खिलाफ भी जांच हो सकती है। लेकिन कितनी ही जांच करा लें, मैं तो फकीर आदमी हूं, कुछ नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि वह अब चौधरी चरण सिंह के पोते जयंत और मुलायम सिंह यादव के लड़के अखिलेश यादव की मदद करेंगे। यहां उन्होंने यह भी साफ किया कि वह कोई पार्टी जॉइन नही करेंगे और न हो कोई चुनाव लड़ेंगे। कहा कि अब वह सिर्फ किसानों की आवाज उठाने के लिए काम करेंगे। बता दें कि हिसावदा गांव निवासी सत्यपाल मलिक को सबसे पहले जम्मू कश्मीर का राज्यपाल बनाया गया था। वहां अपने कई बयानों को लेकर चर्चा में रहे। किसान आंदोलन के दौरान उन्होंने सरकार के खिलाफ भी कई बयान दिए। अब वह कुछ दिन से लगातार सरकार के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे। रालोद को लेकर

उनका रुख काफी नरम था। सत्यपाल मलिक मेघालय के राज्यपाल थे। उनका कार्यकाल सोमवार को पूरा हो गया। सत्यपाल मलिक सेवानिवृत्त होने के बाद बुधवार को अपने पैतृक गांव हिसावदा पहुंचे और ग्रामीणों से कुशल क्षेम पूछा। उनके भतीजे गोलू मलिक ने बताया कि हिसावदा स्थित स्कूल में पूर्व राज्यपाल के लिए सम्मान समारोह रखा गया। यहां वह ग्रामीणों के साथ बैठकर राजनीतिक माहौल पर चर्चा कर रहे हैं और भोजन भी करेंगे। उनके लिए विशेष तौर पर आलू जीरा, मटर पनीर, रायता व सोंठ बनवाए गए।

थाना शाहगंज पुलिस द्वारा नकबजनी व चोरी की घटना का सफल अनावरण : तीन शातिर चोर गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय कुमार साहनी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज जौनपुर के कुशल पर्यवेक्षण में आज दिनांक 04/10/2022 को पूर्व में पंजीकृत अभियोगों यथा दिनांक 30/09/2022 को पंजीकृत मु0अ0सं0 270/2022 धारा 457/380 भादवि तथा दिनांक 02/10/2022 को पंजीकृत मु0अ0सं0 273/2022 धारा 379 भादवि से संबंधित घटना का सफल अनावरण करते हुए उपरोक्त से संबंधित माल मुकदमाती की बरामदगी की गयी तथा ग्राम परासीन से मुकदमा उपरोक्त से संबंधित अभि0गण 1. दीपू सिंह उर्फ प्रदीप सिंह पुत्र स्व0 राम उदय सिंह नि0 परासीन थाना शाहगंज जनपद जौनपुर 2. ऐयाज अहमद पुत्र रियाज अहमद नि0 चकनूरी सुदनीपुर थाना फूलपुर जनपद आजमगढ 3. किशोर अपचारी को गिरफ्तार किया गया, अभि0गण उपरोक्त से की गयी बिस्तृत पूछताछ के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में अभि0गण 1.धीरज सिंह पुत्र स्व0 रवीन्द्र सिंह नि0 सुदनीपुर थाना फूलपुर जनपद आजमगढ 2. आसिफ पुत्र हसीबुल्लाह नि0 मुडेया थाना निजामबाद जनपद आजमगढ की संलिप्तता पायी गयी, गिर0 शुदा अभि0 दीपू सिंह उर्फ प्रदीप सिंह पुत्र स्व0 राम उदय सिंह नि0 परासीन थाना शाहगंज जनपद जौनपुर की जामातलाशी से 60 ग्राम डायजापाम बरामद हुआ उक्त बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0 274/2022 धारा 8/22 एन0डी0पी0एस0 एक्ट पंजीकृत कर क्रमशः अभि0गण 1.दीपू सिंह उर्फ प्रदीप सिंह पुत्र स्व0 राम उदय सिंह नि0 परासीन थाना शाहगंज जनपद जौनपुर 2.ऐयाज अहमद पुत्र रियाज अहमद नि0 चकनूरी सुदनीपुर थाना फूलपुर जनपद आजमगढ को माननीय न्यायालय तथा किशोर अपचारी को माननीय किशोर न्याय बोर्ड जनपद जौनपुर भेजा गया। तथा गिरफ्तारी हेतु शेष अभि0गण 1.धीरज सिंह पुत्र स्व0 रवीन्द्र सिंह नि0 सुदनीपुर थाना फूलपुर जनपद आजमगढ 2.आसिफ पुत्र हसीबुल्लाह नि0 मुडेया थाना निजामबाद जनपद आजमगढ की गिरफ्तारी हेतु सतत प्रयास जारी है। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण– 1.दीपू सिंह उर्फ प्रदीप सिंह पुत्र स्व0 राम उदय सिंह नि0 परासीन थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। आपराधिक इतिहासः– 1.मु0अ0सं0 270/2022 धारा 457/380/411 भादवि थाना शाहगंज जौनपुर। 2. मु0अ0सं0 273/2022 धारा 379/411 भादवि थाना शाहगंज जौनपुर। 3.मु0अ0सं0 274/2022 धारा 8/22 एन0डी0पी0एस0 एक्ट थाना शाहगंज जौनपुर 2. ऐयाज अहमद पुत्र रियाज अहमद नि0 चकनूरी सुदनीपुर थाना फूलपुर जनपद आजमगढ। आपराधिक इतिहासः– 1.मु0अ0सं0 270/2022 धारा 457/380/411 भादवि थाना शाहगंज जौनपुर। 2.मु0अ0सं0 273/2022 धारा 379/411 भादवि थाना शाहगंज जौनपुर 3. (किशोर अपचारी) आपराधिक इतिहासः– 1. मु0अ0सं0 270/2022 धारा 457/380/411 भादवि थाना शाहगंज जौनपुर।2.मु0अ0सं0 273/2022 धारा 379/411 भादवि थाना शाहगंज जौनपुर बरामदगीः– 1.तीन अदद मोबाईल क्रमशः 1. टच स्क्रीन रियल मी माडल RMX 3241 IMEI 863510057321949 , 863510057321956 2.एक वीवो मोबाईल बरंग काला टच स्क्रीन 3.मोबाईल बीबो बरंग नीला व काला, घटना हेतु प्रयुक्त मो0सा0 स्पेलेण्डर नं0 न्च44 श्र 8072 बरंग लाल चेचिस नं0 05K16F09611 इंजन नं0 05K15E09885 , मो0सा0 HF DELUXE नं0 UP50 BB 9449 चेचिस नं0 0MBLHAR050H9J51959 इंजन नं0 HA11EPH9J29584 बैट्री– 02, इनवर्टर– 01 टुल्लू पम्प– 01 टी0वी0– 01 फर्राटा पंखा 01 साड़ियाः– 05 कुल कीमती लगभग दो लाख रूपये उपरोक्त सभी तथा कुल 60 ग्राम डायजापाम (अभि0 दीपू सिंह उर्फ प्रदीप सिंह से) गिरफ्तारी करने वाली टीमः– 1. प्र0नि0 श्री सदानन्द राय थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। 2. उ0नि0 श्री सुरेश सिंह थाना शाहगंज जनपद जौनपुर । 3. हे0कां0 रामप्रकाश यादव थाना शाहगंज जनपद जौनपुर । 4. हे0कां0 चालक मनोज कुमार चौबे थाना शाहगंज जनपद जौनपुर । 5.हे0कां0 सलीम खान थाना शाहगंज जनपद जौनपुर । 6. हे0कां0 राज कुमार यादव थाना शाहगंज जनपद जौनपुर । 7. कां0 बृजेश मिश्रा थाना शाहगंज जनपद जौनपुर । 8.कां0 बिकेश चौहान थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। 9.कां0 विनोद यादव थाना शाहगंज जनपद जौनपुर । 10.कां0 अनिल निषाद थाना शाहगंज जनपद जौनपुर । 11. कां0 कुन्दन कुमार थाना शाहगंज जनपद जौनपुर । 12. कां0 अंकित वर्मा थाना शाहगंज जनपद जौनपुर । 13. कां0 चन्दन कुमार थाना शाहगंज जनपद जौनपुर।

धूम धाम से कन्या पूजन के साथ संपन्न हुआ नवरात्रि का पर्व

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : शारदीय नवरात्र के अंतिम दिन है नवमी को विभिन्न पंडालों में धूमधाम से माता की पूजा के बाद हवन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। देर रात तक पंडालों में हवन पूजन का कार्य चलता रहा ।इस दौरान हवन पूजन के उपरांत पंडालों में देवी मां के नौ रूप स्वरूप विराजमान नौ कन्याओं को भी पूजा किया गया और उन्हें उपहार भेंट किया

गया। इसी क्रम में रूहट्टा स्थित धार्मिक शिव शक्ति संस्था हनुमान मंदिर पूजन उत्सव समिति द्वारा धूमधाम से हवन पूजन के उपरांत लगभग 9 कन्याओं के साथ दर्जनों कन्याओं को भी भोजन प्रसाद और उपहार भेंट किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था के अलावा संरक्षक मंडल के ऋषि सिंह नंदेश अग्रहरि पवन जयसवाल दीपक श्रीवास्तव बबलू विश्वकर्मा द्वारा कन्याओं का पूजन कराया गया तो वही संस्था के संरक्षक अमित अग्रहरि राजा राम एंड संस द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष पवन जयसवाल उपाध्यक्ष विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार महामंत्री नंदेश अग्रहरि कोषाध्यक्ष पवन मौर्या व्यवस्थापक बबलू विश्वकर्मा संगठन मंत्री विक्की श्रीवास्तव आय व्यय निरीक्षक हर्षित श्रीवास्तव सहित तमाम संरक्षक मंडल के लोग उपस्थित रहे।

माँ दक्षिणा काली मन्दिर में नवरात्रि नवमी के दिन हुआ हवन पूजन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : नगर के सिटी स्टेशन रेलवे क्रासिंग के निकट स्थित मॉ आद्या शक्ति दक्षिणा काली मन्दिर पर शारदीय नवरात्र के नवमी के दिन मंगलवार को पूजारी भगवती सिंह वागीश ने मंदिर पर आए हुए सभी भक्तों को हवन पूजन कराया। इस मौके पर मन्दिर के पुजारी वागीश ने बताया कि काली ही सभी ग्रहों का संघारक हैं और 'ऊं

क्रीं क्रीं कालिकाएं नमः' मंत्र का जाप करने से सभी बीमारियां दूर हो जाती है ,हवन से आस–पास का वातावरण शुद्व हो जाता है और प्राणियों में सर्वधन का संचार हो जाता है। घंटा व शंख की ध्वनी से वातावरण अत्यन्त आनन्दमय हो जाता है।।अतः कलयुग में काली उपासना परम शक्ति वर्धक एवं मंगलकारी है। पूर्ण श्रद्धा एवं अटल विश्वास के साथ मां की उपासना सदैव कल्याणकारी होता है। कलयुग में मां दक्षिणा काली की पूजा अर्चना करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है। इस अवसर पर सपा नेताअजय त्रिपाठी,वेद प्रकाश सिंह एडवोकेट, प्रधानाचार्य बाबा सिंह, मिथिलेश सिंह गुड्डू, दलसिंगर विश्कर्मा, रामपाल विश्वकर्मा, प्रधानाचार्य बाबा सिंह, पीयूष श्रीवास्तव, विक्रम गुप्ता, आमीन निगम, तुषार शुक्ला,सर्वेश सिंह सोनू,भानु मौर्य, मनीष सोनकर, व बंदेश सिंह उपस्थित रहे।

अंजुमन मजलूमिया के नेतृत्व में निकाला गया 8 रबी अव्वल का जुलूस

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : अय्यामे अजा की आखिरी तारीख को शहर में जुलूस निकाला गया। अंजुमनों ने नौहाख्वानी और सीनाजनी कर इमाम हुसैन को याद किया। इससे पहले मंगल वार को रातभर लोगों ने अपने घरों में नौहा मातम किया। कई इलाकों के इमाम चौक पर ताजिया भी रखा गया। हर घरों और इमामबाड़ों से यही सदा आ रहीं थी, अलविदा हुसैन मेरे

अलविदा हुसैन, सालभर जो जिएगा वो फिर रोएगा। नौहाख्वानी के साथ लोगों ने अश्कों का नजराना पेश ''किया। बुधवार को शहर के रासमंडल स्थित सैयद गुलाम अब्बास के इमामबाड़े से अलम, तुर्बत का जुलूस निकाला गया। जुलूस की मजलिस को बिहार के मौलना सैय्यद अबूजर अली ने खिताब किया। कहा कि इमाम हुसैन ने जुल्म के आगे झुके नहीं बल्कि उससे लड़कर अपनी शहादत पेश कर दी। जुलूस अब्बास मंजिल से निकल कर हाजी इनाम अली मरहूम के दरवाजे पहुंचा इसके बाद वहा एक तकरीर हुई जिसको डा कमर अब्बास ने खिताब किया तकरीर के फौरन बाद बीबी सकीना का ताबूत निकाला गया जिसको दुल दुल से मिलाया गया इस दौरान लोगों ने जियारत किया। जुलूस में तकरीर डा. कमर अब्बास ने खिताब किया। जुलूस अपने कदीमी रास्तों से होता हुआ सिपाह में जाकर खत्म हुआ। रास्ते में एक तकरीर जनाब हसन जाफर ने खिताब किया। जुलूस नबी साहब जाकर संपन्न हुआ। अल्वेदाई तकरीर बेलाल हसनैन ने किया जुलूस में शहर के नामचीन हस्तियां शमशीर हसन डा दिलगीर हसन शाहिद हुसैन नुसरत हुसैन मोहसिन जैदी मीसम जैदी यावर हुसैन मुजम्मिल हसन शजर हसन एहतेशाम हुसैन बब्बी खां नसीम जैदी हैदर अली फैसल हसन तबरेज जुहैब हसन अफरोज आबीश इमाम सनी अनम हसन सुल्तान हैदर अली कैसर जैदी अहमद रजा आजाद आसिफ रिजवी पिंकू राजा सरवर जैदी ताजदार हुसैन इत्यादि लोग मौजूद रहे जुलूस में आए हुए सभी मोमिन का शुक्रिया गौहर अली जैदी और एहतेशाम अली बब्बी खां ने अदा किया यह जानकारी मीडिया प्रभारी तामीर हसन शीबू ने दी है।

पुलिस अधीक्षक अजय साहनी के निर्देशन में चलाया गया वांछित वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जनपद की कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने एवं अपराध/अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, श्री अजय साहनी के निर्देशन में वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत जनपद के थानों द्वारा कार्यवाही करते हुए कुल 06 वांछित व 05 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। जिसका थानावार विवरण निम्न है

1. थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा अपहरण का एक वांछित अभियुक्त अभियुक्त मो0 अजीम पुत्र मो0 उमर निवासी चितरसारी थाना कोतवाली,जौनपुर सम्बन्धित मु0अ0सं0 257/22 धारा 363/366 भा0द0वि0 व 17/18 पाक्सो एक्ट से को आज रसूलाबाद तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही की जा रही है।

2. थाना नेवढ़िया पुलिस टीम द्वारा गो तस्करी से सम्बन्धित एक वांछित अभियुक्त मु0अ0सं0 153/2021 धारा 3/5A/8 गो0नि0अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधिनियम थाना नेवढ़िया जौनपुर से सम्बन्धित प्रकाश में आये अभियुक्त लवकुश कुमार बिन्द पुत्र बच्चन प्रसाद (रामसूरत) निवासी रैमा थाना अलीनगर जनपद चन्दौली को आज दिनांक 04.10.2022 को सीतमसराय मोड़ से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

3. थाना बक्सा पुलिस टीम द्वारा धोखाधड़ी के मुकदमें में एक वांछित अभियुक्त गुड्डू मौर्या उर्फ अमित मौर्या पुत्र राजनारायण मौर्या ग्राम करछुली थाना महराजगंज जनपद जौनपुर उम्र करीब 37 वर्ष सम्बन्धित मु0अ0सं0 302/2022 धारा 420/506 भादवि व धारा 66 आईटी एक्ट को आज कन्धी पुलिया से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लैपटाप, बायोमीट्रिक मशीन, मोबाईल व रजिस्टर बरामद किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

4. थाना बक्शा पुलिस टीम द्वारा अपहरण/बलात्कार व पाक्सों एक्ट के एक वांछित अभियुक्त हलीम पुत्र हुकुम निवासी बगही थाना बिहिया जनपद भोजपुर, बिहार उम्र करीब 19 वर्ष सम्बन्धित मु0अ0सं0 290/22 धारा 363/366/376 भा0द0वि0 व ¾ पाक्सो एक्ट को आज शिवगुलामगंज तिराहे से गिरफ्तार किया गया ।

5. थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा धोखाधड़ी के दो वांछित अभियुक्त 1. महेन्द्र कुमार मौर्य पुत्र लालबहादुर मौर्य निवासी कुवाई थाना दीदारगंज जनपद जौनपुर, 2. लालमन कन्नौजिया पुत्र रामअचल कश्यप निवासी खैरुद्दीनपुर अलीबक्श थाना फूलपुर जनपद आजमगढ़ सम्बन्धित मु0अ0सं0 34/2022 धारा 419/420/467/468/471/120बी भादवि स्टेट बनाम अभियुक्तगण को भादी चुंगी तिराहे से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

6. थाना बक्शा पुलिस टीम द्वारा दो वारंटी अभियुक्त संजू यादव उर्फ संजय यादव पुत्र रामजस यादव ग्राम उदयपुर मैडया थाना बक्शा जौनपुर हाल पता खमपुर थाना बक्शा जौनपुर सम्बन्धित मु0नं0 341/11 धारा 379/414/419/420/467/468 भा0द0वि0 व वारंटी अभियुक्त मूलचन्द्र पुत्र हरिनन्दन निवासी ग्राम बढ़ौना थाना बक्सा जनपद जौनपुर सम्बन्धित मु0नं0 220/19 धारा 128 सीआरपीसी चालानी थाना जलालपुर को गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा गया।

7. थाना जफराबाद पुलिस टीम द्वारा दो वारंटी अभियुक्त फकीर चन्द्र उर्फ शमशुद्दीन पुत्र बशीर नि0 शेखवाड़ा थाना जफराबाद जनपद जौनपुर सम्बन्धित मु0अ0सं0 36/90 धारा 504/506 भादवि व राधेश्याम हरिजन पुत्र रामधारी नि0 भुवालापट्टी थाना जफराबाद जनपद जौनपुर सम्बन्धित मुअ0सं0 289/93 धारा 457/380/411 भादवि थाना जफराबाद जनपद जौनपुर को गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा गया।

8. थाना सिकरारा पुलिस टीम द्वारा एक वारंटी अभियुक्त सेवालाल पुत्र फेरन निवासी मलसिल थाना सिकारारा जनपद जौनपुर सम्बन्धित एसटी नं0 104/20 धारा 147/148/323/504 भादवि0 को गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायाल भेजा गया।

पीयू की एनएसएस स्वयंसेविका ने संसद भवन में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए दिया व्याख्यान

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : पीयू की स्वयंसेविका शरीयत फात्मा ने 02 अक्टूबर 2022 को महात्मा गांधी जी की एवं शास्त्री जी की जयंती पर केंद्रीय हाल,संसद भवन,नई दिल्ली में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर ओजस्वी व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने बापू के व्यक्तित्व एवं जीवन संदेश पर प्रकाश डाला। शरीयत फात्मा की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राकेश कुमार यादव, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अवधेश कुमार मौर्य, डॉ. विनय वर्मा, डॉ. शशिकांत यादव इत्यादि ने बधाई संदेश के साथ शुभकामनाएं दी,साथ ही कहा कि शरीयत फात्मा की उपलब्धियों से पूर्वांचल विश्वविद्यालय को पुनः गौरवान्वित होने का अवसर प्राप्त हुआ। ज्ञात हो कि की पूर्व में शरीयत फात्मा डॉ. अख्तर हसन रिजवी शिया पीजी कॉलेज में एन.एस.एस. की स्वयंसेविका रही थी,उस दौरान 2018 में उन्होंने कल्चर यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत वियतनाम में भारत का प्रतिनिधित्व किया था,साथ ही 2019 युवा सांसद में प्रतिभाग

करते हुए उत्तर प्रदेश में तीसरा स्थान के लिए चयनित हुई थी ।वर्तमान में शरीयत फात्मा विश्वविद्यालय के एम.एस–सी. बायोटेक्नोलॉजी विभाग में अध्ययनरत है। साथ ही एन.एस.एस. की सक्रिय स्वयंसेविका भी है। अपनी सफलता पर गर्व का अनुभव करते हुए शरीयत फात्मा ने कहा इसके पीछे हमारे माता–पिता एवं गुरुजनों का सहयोग एवं आशीर्वाद है। शरीयत फात्मा के शैक्षणिक गुरु एवं उसे एन.एस.एस. से जोड़ने वाले डॉ.अवधेश कुमार मौर्य ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि शरीयत फात्मा की उपलब्धि से युवाओं को राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी।

जनपद में गोवध व पशुक्रूरता से सम्बन्धित 23 अपराधियों की खोली गई हिस्ट्रीशीट

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में जनपद में घटित अपराधों के अनावरण,अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पूर्व में पेशेवर अपराधियों की गतिविधियों पर निगरानी हेतु उनकी हिस्ट्रीशीट खोली गई है, जिससे इन अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके, आज पुनः गोवध व पशुक्रूरता के सम्बन्धित जनपद जौनपुर के थाना खेतासराय, सरपतहाँ, जफराबाद, केराकत, मछलीशहर, खुटहन, शाहगंज व मीरगंज के 23 शातिर अपराधियों को चिन्हित कर उनकी हिस्ट्रीशीट खोली गई है। जिनका विवरण निम्नवत है– 1. फरहान पुत्र फिरोज, निवासी पाराकमाल, थाना खेतासराय, जौनपुर। 2. रईश खाँ पुत्र वसीर खाँ निवासी मदारपुर थाना सरपतहाँ जौनपुर। 3. हरिहर लोना पुत्र सूर्यमुखी निवासी चेतरहां थाना सरपतहां जौनपुर 4. दिनेश प्रजापति पुत्र स्व0 शिवमूरत प्रजापति, निवासी वसीरपुर थाना जफराबाद जौनपुर। 5. राकेश प्रजापति पुत्र स्व0 राममूरत निवासी वसीरपुर, थाना जफराबाद जौनपुर। 6. मो0 सलीम पुत्र मो0 युसूफ निवसी वशीरपुर थाना जफराबाद 7. सद्दाम पुत्र अली मोहम्मद निवासी मोहल्ला सिपाह थाना केराकत, जौनपुर। 8. जावेद उर्फ गादुर पुत्र कल्लू बक्श, निवसी मोहल्ला सिपाह, थाना केराकत, जौनपुर। 9. वसीर उर्फ खिचडू पुत्र मौलन बक्श निवासी मोहल्ला सिपाह थाना केराकत, जौनपुर। 10. धर्मेन्द्र सरोज पुत्र स्व0 कपीलदेव, निवासी थलोई थाना मछलीशहर, जौनपुर। 11. अरूण कुमार पुत्र चुम्मन पाल निवासी भिखारीपुर थाना मछलीशहर जौनपुर। 12. शोहराब पुत्र हदीश निवासी समसुद्दीनपुर थाना खुटहन, जौनपुर। 13. कृष्ण कुमार यादव पुत्र लालचन्द्र यादव निवासी शेरापट्टी थाना खुटहन जौनपुर 14. गुड्डू यादव पुत्र अभिराज यादव निवासी रसूलपुर थाना खुटहन जौनपुर। 15.संतोष यादव पुत्र हरिश्चन्द्र यादव निवासी व थाना खुटहन, जौनपुर। 16. सलमान पुत्र मोहम्मद रहमान निवासी मकदूमपुर थाना खुटहन जौनपुर । 17. अरशद पुत्र समसुद्दीन निवासी पटैला, थाना खुटहन, जौनपुर। 18. अखिलेश यादव पुत्र रामबचन यादव निवासी कोहड़ा थाना शाहगंज जौनपुर। 19. सलीम उर्फ फेकू पुत्र रियाजूद्दीन निवासी असरफपुर उसरहट्टा थाना शाहगंज जौनपुर। 20.बृजेश यादव पुत्र बबलू यादव निवासी कोहड़ा सुल्तानपुर थाना शाहगंज, जौनपुर। 21. मो0 शफीक पुत्र स्व0 युनूस निवासी मजडिहा, थाना शाहगंज जौनपुर। 22. सुखसागर पटेल उर्फ नाटे पुत्र समरबहादुर पटेल निवासी सेमरहा, थाना मीरगंज जौनपुर। 23. अनिश पुत्र मेवा निवासी रामगढ़ थाना मीरगंज जौनपुर। नोट– जिनकी एक बार हिस्ट्रीशीट खुल जाती है वह आजीवन रहती है। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारी को अपने–अपने थाना क्षेत्र के शातिर अपराधियों के अपराध का विश्लेषण कर उनके कृत्यो पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु हिस्ट्रीशीट खोलने हेतु निर्देशित किया गया है।

कोचिंग सेंटर के बच्चों को कराया शैक्षिक भ्रमण

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव हरदोई : कस्बा पाली में कई वर्षों से संचालित शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रंजन्स एजुकेशन के संचालक अंग्रेजी शिक्षक सुबोध रंजन गुप्ता के द्वारा कोचिंग सेंटर पर अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को गतवर्षो की भांति इस वर्ष भी शैक्षिक भ्रमण पर ले जाया गया।जहाँ बच्चों ने तीर्थ स्थल के विभिन्न स्थानों का भ्रमण करते हुए विभिन्न रोचक एवं ऐतिहासिक जानकारियां प्राप्त की। कस्बे के मोहल्ला बाजार में स्थित रंजन कोचिंग संस्थान के संचालक सुबोध रंजन गुप्ता के द्वारा बच्चों को टूर पर पौराणिक तीर्थ स्थल कम्पिल ले जाया गया। भ्रमण पर जाते समय सभी बच्चों में काफी उत्साह देखने को मिला। कस्बे से सुबह 7.30 बजे भारत माता की जयकारे के साथ लगभग 60 बच्चों से भरी बस अपने गंतव्य स्थान पौराणिक तीर्थ स्थल कम्पिल के लिये रवाना हुई। पौराणिक तीर्थस्थान कम्पिल पहुंच कर बच्चों ने घूम कर आनंद लिया। कोचिंग सेंटर के संचालक अंग्रेजी शिक्षक सुबोध रंजन गुप्ता ने बच्चों को बताया कि भ्रमण का उद्देश्य केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि इससे कई तरह की जानकारियां हासिल होती है। बुधवार को दशहरा पर्व पर भ्रमण पर निकले बच्चों ने जनपद फर्रुखाबाद की कायमगंज तहसील में स्थित कम्पिल 13वें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का जन्मस्थान, तपस्थली,तथा ज्ञान प्राप्ति का कल्याणक क्षेत्र के दर्शन कर कम्पिल का अति प्राचीन जैन मंदिर का भ्रमण किया। आपको बता दें कि प्राचीन जैन मंदिर को देखने बड़ी संख्या में यहाँ श्रद्धालु आते हैं। कम्पिल तीर्थ का संबंध चारों युगों से बताया जाता है। यहां पर कपिल मुनि का आश्रम भी है।यहाँ मौजूद द्रोपदी कुंड, श्री कालेश्वर नाथ मंदिर, श्रीरामेश्वर नाथ मंदिर , 11 मंजिला श्री राधाकृष्ण मंदिर पौराणिक तीर्थ स्थल की शोभा को बढ़ाने के साथ ही यह पवित्र क्षेत्र हिन्दू एवं जैन धर्म के लिये खास माना जाता है।विदित हो महाभारत युद्ध से पूर्व सम्पूर्ण पांचाल प्रदेश पर

राजा द्रुपद का आधिपत्य था तथा पांचाल की राजधानी कम्पिल जाना माना नगर काम्पिल्य आज एक गांव बनकर रह गया। हालांकि यह तीर्थ स्थल अनेकों पौराणिक धरोहरों को समेटे हुए हैं निःसंदेह यह एक पावन स्थली है। बातचीत के दौरान कोचिंग सेंटर के कक्षा 12 के छात्र ओम शिव ने कहा कि स्कूल के दिनों में पिकनिक मनाने का आनंद ही कुछ और ही होता है।दोस्तों के साथ हँसना – खेलना आजीवन याद रहता है। यही वो मीठे पल होते हैं जो लौटकर कभी नहीं आते।लेकिन हमारी स्मृतियों में हमेशा जीवित रहते हैं। इस अवसर पर बच्चे काफी खुश नजर आए। बच्चों को तीर्थ स्थल तक कुशलता पूर्वक ले जाने एवं वापस लाने में शिक्षक शिवाकांत मिश्रा, अनुपम अग्निहोत्री,अर्चिता श्रीवास्तव का भरपूर सहयोग रहा।

राज दरबार में शाही परंपरा के अनुरूप राजा ने किया शस्त्र पूजन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : विजयदशमी का पर्व पूरे देश में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जा रहा है तो वही जनपद जौनपुर में एक अनोखी परंपरा देखने सुनने हैं।जिसे राजशाही परंपरा कहा जाता है। देश में विजय दशमी के दिन आज बुधवार को राजा जौनपुर की हवेली मे राजा अवनींद्र दत्त ने विधि – विधान के से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शस्त्र पूजन किया।समस्त पूजन राज पुरोहित पंडित जनार्दन मिश्र व पांच प्रकांड विद्वानों द्वारा शस्त्र पूजन का कार्य संपन्न कराया गया। इस अवसर पर जिले के गण्यमान लोग मौजूद रहे। राजा हवेली मे शस्त्र पूजन की परंपरा उनके पूर्वज राजा शिवलाल दत्त ने 1778 में शुरू की थी , तब से आज तक चली आ रही है,शस्त्र पूजन का यह 244 वाँ वर्ष है ।जौनपुर रियासत के 12 वें नरेश कुंवर अवनींद्र दत्त के हाथों दशहरा पर्व पर शस्त्र पूजन हुआ है। दरबार का शानदार दृश्य देखने को मिलता है। जिसमें शहर के गणमान्य, व्यापारी, अलग लिवास में साफे की पगड़ी पहने दरबार हाल की शोभा बढ़ाते हैं। यही नहीं राजा जौनपुर के पोखरा पर मेला एवं राजा जौनपुर के हाथों रावण दहन देखने के लिए गांव देहात से आने वाली भीड़ जुटती है। देश की उपासना जिला प्रतिनिधि विश्व प्रकाश श्रीवास्तव से बात करते हुए जौनपुर रियासत के राज डिग्री कालेज के पूर्व प्राचार्य डॉ अखिलेश्वर शुक्ला दरवारी ने बताया कि जौनपुर रियासत के प्रथम नरेश राजा शिवलाल दत्त ने 1798 में विजय दशमी के दिन शस्त्र पूजन एवं दरबार की शुरुआत की थी। दरबार हाल में उस समय जिलेदार (ठिकानेदार), सर्वराकार, राज वैध, हकीम, व्यापारी सहित गणमान्यजनों की उपस्थिति में शस्त्र पूजन वैदिक रीति–रिवाज से राज ज्योतिषी के निर्धारित लग्नानुसार संपन्न हुआ करता था। तत्पश्चात द्वितीय राजा बाल दत्त की धर्मपत्नी रानी तिलक कुंवर ने 1848 में पोखरे पर विशाल मेले की शुरुआत की थी। राजा जौनपुर की सवारी शाही अंदाज में हवेली से मानिक चौक, सिपाह होते हुए मेला स्थल (राजा साहब का पोखरा) तक पहुंच कर रावण दहन करने के बाद शमी पूजन करते हुए वापस हवेली पहुंचती है । इस दौरान राजा का दर्शन करने वालों की भीड़ देखने को जुटती थी। यह सिलसिला बदस्तूर जारी है। महारानी तिलक कुंवर ने इसी वर्ष (1845) में रामलीला की शुरुआत की थी, जो रामनगर में होने वाली रामलीला के तर्ज पर होता था। जिसका प्रारंभ राजा बाजार से होकर राजा साहब के पोखरा पर राम–रावण युद्ध के बाद रावण दहन फिर राज तिलक के पश्चात पूर्ण होता था। पंडितजी की रामलीला ने इसे जारी रखने का प्रयास किया है। वर्तमान में अनेकों घरानों, संगठनों की तरफ से शस्त्र पूजन किया जाता है, लेकिन जौनपुर रियासत के हवेली स्थित आकर्षक दरबार हाल में राज पुरोहित सहित पांच पंडितों की उपस्थिति में शस्त्र पूजन होता है।

जनता दर्शन में भारी भीड़ देखकर सीएम योगी ने अफसरों से पूछा– निचले स्तर पर क्यों नहीं हो रही सुनवाई

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : हर व्यक्ति अपनी समस्या लेकर जनता दर्शन में पहुंच रहा। इसका सीधा मतलब है कि उसे स्थानीय स्तर पर न्याय नहीं मिल रहा। आखिर अफसर कर क्या रहे हैं? यह कतई ठीक नहीं है। बुधवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर के दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में जनता दर्शन के दौरान समस्याग्रस्त लोगों की बड़ी संख्या देखकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह सवाल वहां मौजूद आला अफसरों से किया। उन्होंने निर्देश दिया कि जनता की समस्या को लेकर लापरवाह व गैर जिम्मेदार अफसरों और कर्मचारियों को चिन्हित करें और उनके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करें।

अयोध्या राम नगरी मोहबरा बाजार में सदगुरु कबीर सत्संग समारोह का हुआ आयोजन

अयोध्या(संवाददाता) सुरेंद्र कुमार। सद्गुरु कबीर मानवतावाद के समर्थक थे।यही कारण है कि हर वर्ग के लोग सदगुरु कबीर को कल भी आदर्श मानते थे और आज भी आदर्श मानते हैं क्योंकि मानवता की स्थापना के लिए सारे प्रयास किए जाते हैं जिसमे सदगुरु कबीर सटीक बैठते हैं।मंगलवार को यह बातें बतौर मुख्य अतिथि तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगतगुरु परमहंस आचार्य ने कहीं।वे जीयनपुर स्थित कबीर मठ में शुरू हुए तीन दिवसीय सांप्रदायिक सौहार्द कबीर मेले के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बाबरी मस्जिद के मुद्दई रहे इकबाल अंसारी,ऐतिहासिक गुरुद्वारा ब्रह्म कुंड के ज्ञानी चरनजीत सिंह व हिंदू महासभा के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील शर्मा शुक्ला रहे।मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष रामचंद्र वर्मा रहे जबकि अध्यक्षता उच्च न्यायालय खंडपीठ लखनऊ के वरिष्ठ अधिवक्ता एम.बी सिंह ने की। कार्यक्रम की शुरुआत सदगुरु कबीर,संस्थापक रामसूरत साहेब व निर्माण कर्ता उदार साहेब के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई जिसके बाद बीजक पाठ किया गया।इस मौके पर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि इकबाल अंसारी ने कहा कि कबीर साहब सभी के आदर्श और मानवता ही सर्वश्रेष्ठ है।विशिष्ट अतिथि ज्ञानी चरनजीत सिंह ने कहा कि सदगुरु कबीर की कहीं बातें आज के समय में भी प्रासंगिक है।विशिष्ट अतिथि सुनील शुक्ला ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को सदगुरु कबीर के आदर्शों पर चलने की आवश्यकता है।मुख्य वक्ता राम चंद्र वर्मा ने कहा कि समूचे संसार में कोई अधिकृत और विभूति के रूप में प्रख्यात हुआ है तो वह संत शिरोमणि सतगुरु कबीर साहब ही हैं क्योंकि उन्होंने देश और संसार को स्वावलंबन

का संदेश दिया है।अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एम.बी सिंह ने कहा कि आज का आयोजन बहुत ही सुंदर है।कबीर साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए आज हम यहां इकट्ठा हुए हैं जहां दूर–दूर से आये श्रद्धालुओं को कबीर साहेब के विचारों को सुनने समझने और जानने का अवसर मिल रहा है और इसके साथ ही यह सम्मेलन संपन्न हो रहा है।कार्यक्रम को डीसीएफ बस्ती के पूर्व चेयरमैन रामशंकर निराला, राम उजागर,जोखू प्रसाद यादव, राम प्रकाश दास,राधेश्याम दास व रविंद्र दास आदि लोगों ने संबोधित किया।कार्यक्रम समापन अवसर पर महंत उमा शंकर दास में अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से निर्मल कुमार वर्मा,शील दास साहेब,अनूप कुमार जयसवाल,कृष्णा वर्मा,राम अभिलाख वर्मा,बलराम वर्मा, अजीत वर्मा,अजीत यादव, अमरनाथ वर्मा,विनोद पटेल,राम आशीष दुबे,देवा द्विवेदी व केशरी प्रसाद सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अनियंत्रित डंपर की दुर्गा पूजा पंडाल में टक्कर से प्रतिमा खंडित : पंडाल टूटा

अमेठी ब्यूरो : अमेठी शहर के सगरा तिराहा स्थित अंबे माता पूजा समिति के पंडाल में बुधवार भोर चार बजे के करीब एक डंपर ने टक्कर मार दी। घटना के बाद पंडाल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और देवी प्रतिमा भी खंडित हो गई। घटना के बाद पदाधिकारियों में आक्रोश छा गया। पदाधिकारी खंडित देवी प्रतिमा का विसर्जन कर फिर से नया पंडाल तैयार कर उसमें देवी प्रतिमा की स्थापना की कवायद में जुटे हैं। शहर के सगरा तिराहे पर अंबे माता पूजा समिति की ओर से देवी पंडाल सजाया गया है। बुधवार करीब चार बजे गौरीगंज की ओर से आ रहे एक अनियंत्रित डंपर ने अंबे माता पूजा समिति के पंडाल में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बंपर चालक भागने की फिराक में था। आसपास के लोगों ने आगे से घेर लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने डंपर और चालक को कब्जे में ले लिया है। घटना में अंबे माता पूजा समिति का पंडाल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया तो देवी प्रतिमा खंडित हो गई। मामले की जानकारी मिलते ही पदाधिकारियों एवं स्थानीय लोगों में आक्रोश आ गया। पदाधिकारियों ने खंडित देवी प्रतिमा का विसर्जन कराया। उसके

बाद नया पंडाल तैयार करने की कवायद शुरू कर दी। पंडाल में स्थापित करने के लिए नई देवी प्रतिमा तत्काल लाई गई। अंबे माता पूजा समिति के मुख्य संरक्षक राजेश कुमार अग्रहरि, संरक्षक हरिकेश श्रीवास्तव, समरथ सिंह व अध्यक्ष राजेश गुप्ता और महामंत्री अनिल पांडेय हैं। घटना को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है। संरक्षक हरिकेश श्रीवास्तव ने बताया कि लापरवाही से डंपर चालक ने पंडाल में टक्कर मार दी। इसके चलते करीब ढाई लाख से अधिक का नुकसान हुआ है। प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार द्विवेदी ने बताया कि डंपर और चालक को कब्जे में ले लिया गया है। समिति के पदाधिकारियों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है तहरीर मिलते ही केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

विधायक बताएंगे कैसे बनेगी 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था : विशेष सत्र बुलाने की तैयारी

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश में पहली बार महिला विधायकों के लिए विशेष सत्र की चर्चा से उत्साहित योगी आदित्यनाथ सरकार अब 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था पर विधानमंडल का विशेष सत्र बुलाने जा रही है। इसी माह के अंत या नवंबर के पहले हफ्ते में विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। इस सत्र में केवल 10 खरब डॉलर अर्थव्यवस्था को लेकर 36 से 48 घंटे तक लगातार चर्चा होगी। इसमें सत्ता पक्ष व विपक्ष के सभी सदस्य अपनी राय रखेंगे। किसी खास मुद्दे को लेकर यह अपनी तरह का पहला विशेष सत्र होगा। इस विशेष सत्र की वीडियो रिकॉर्डिंग और दस्तावेज देश की सभी विधानसभाओं को भेजा जाएगा। साथ ही इसे संरक्षित भी किया जाएगा जिससे आने वाली पीढ़ी को भी जानकारी मिल सके। विशेष सत्र बुलाने के पीछे मंशा यह है कि देश–दुनिया को पता चले कि यूपी को 10 खरब की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सरकार की ओर से क्या कदम उठाए जा रहे हैं। कार्ययोजना तैयार करने की जिम्मेदारी केशव को सीएम योगी ने विधान परिषद में नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य को सभी सदस्यों के साथ बैठकर इसकी कार्ययोजना तैयार को कहा है। वे चाहते हैं कि चर्चा उसी तरह से हो जैसे गांधी जयंती पर 2 अक्तूबर 2019 को विशेष सत्र में हुई थी। उक्त चर्चा को संयुक्त राष्ट्र ने खूब सराहा था। क्षेत्र में हो रहे विकास से अवगत कराएं विधायक सीएम की मंशा है कि विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यो के बारे में सदन को अवगत कराएं क्योंकि यह भी प्रदेश को 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का एक जरिया है। उनका कहना है कि अगर किसी क्षेत्र में शिक्षा संस्थान का निर्माण चाहे सरकारी या निजी क्षेत्र द्वारा कराया जा रहा हो, वह भी अर्थव्यवस्था को बल देता है। निवेश का जरिया बनता है। सरकार चाहती है कि खासकर सत्ताधारी और उसके सहयोगी दल के सदस्य इस पर ज्यादा से ज्यादा अपनी बात रखें ताकि पता चल सके कि एक संस्थान के निर्माण से वहां की अर्थव्यवस्था पर क्या असर पड़ा है?

माध्यमिक शिक्षा विभाग: नए शिक्षकों की तैनाती की तैयारी : फिर भी कई जिलों में रहेगी कमी

लखनऊ ब्यूरो : माध्यमिक शिक्षा विभाग 1395 नए शिक्षकों की राजकीय विद्यालयों में ऑनलाइन तैनाती करने जा रहा है। इसकी शुरुआत आकांक्षात्मक जिलों से होगी। लेकिन इनकी तैनाती सभी जिलों में नहीं होगी। इससे ज्यादातर जिलों में शिक्षकों की कमी बनी रहेगी। विभाग का कहना है कि पदोन्नति व नई भर्ती होते ही खाली पदों पर भी तैनाती कर दी जाएगी। वर्तमान में विभिन्न जिलों में कुछ विद्यालय ऐसे हैं, जहां मानक के आध ो से भी कम शिक्षक हैं। कुछ विषयों के तो शिक्षक ही नहीं हैं। लखनऊ के कुछ विद्यालयों का भी यही हाल है। राजकीय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर पांडेय कहते हैं कि छोटे जिलों में शिक्षकों के बड़ी संख्या में पद खाली हैं। महोबा में चिराग लेकर ढूंढने पर भी कोई लेक्चरर नहीं मिलेगा। हमीरपुर के कुरारा इंटर कॉलेज में छात्र संख्या तो बहुत ज्यादा है, लेकिन शिक्षकों के पद खाली हैं। सोनभद्र में भी कुछ कॉलेजों को छोड़कर बाकी में पद खाली हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ नियमों का हवाला देकर ऑनलाइन महज कुछ जिलों में नियुक्ति की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ ऑफलाइन तबादले मनमर्जी किए गए हैं। लखनऊ वीवीआईपी है इसलिए अभी पद खाली रहेंगे शिक्षा विभाग ने लखनऊ, गाजियाबाद व

नोएडा जिलों को वीवीआईपी श्रेणी में रखा है। इसलिए यहां सभी जिलों के साथ नई नियुक्ति नहीं की जा रही। यह स्थिति तब है जब लखनऊ के कुछ विद्यालयों में शिक्षकों के बड़ी संख्या में पद खाली हैं। यहां मांग के बावजूद खाली पदों पर शिक्षक नहीं भेजे जा रहे। अपर शिक्षा निदेशक केके गुप्ता शासन की व्यवस्था के अनुसार जिलों में शिक्षकों की तैनाती की जा रही है। लखनऊ समेत जिन जिलों के विद्यालयों में दिक्कत है, वहां भी जल्द ही शिक्षकों की तैनाती की जाएगी।

बेटे का कटा सिर लेकर 24 घंटे तक धरने पर बैठा रहा परिवार : ये हैं बड़ी मांगें

मेरठ ब्यूरो : मेरठ के परीक्षितगढ़ में खजूरी गांव के दीपक त्यागी की हत्या के बाद आक्रोशित लोगों ने किला रोड पर करीब 24 घंटे तक जाम लगाए रखा। मंगलवार को भी पीड़ित परिवार व त्यागी समाज के लोग दीपक के कटे सिर को सड़क पर रख बैठे रहे। डीएम व एसएसपी धरनास्थल पर पहुंचे तो किसान नेता मांगेराम त्यागी और मुखिया गुर्जर ने पांच मांग रखते हुए डीएम को ज्ञापन सौंप दिया। चेतावनी भी दी कि नौ अक्तूबर तक मांग पूरी नहीं हुई तो महापंचायत कर अगली रणनीति बनाएंगे। बाद में मंत्री दिनेश खटीक और पूर्व विधायक सत्यवीर त्यागी भी पहुंचे। इसके बाद जाम खुला व खादर में खरखाली घाट पर दीपक के कटे सिर का अंतिम संस्कार किया गया। परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के खजूरी गांव निवासी किसान धीरेंद्र त्यागी उर्फ भगतजी के अविवाहित बेटे दीपक त्यागी (22) का सिर कटा शव 27 सितंबर को जंगल में मिला था। परिजनों ने पोस्टमार्टम के बाद धड़ का अंतिम संस्कार कर दिया था। इसके बाद सातवें दिन सोमवार को पुलिस ने फैमीद नट और आसिफ को गिरफ्तार कर दीपक का कटा हुआ सिर बरामद कर लिया था। पुलिस ने खुलासा किया कि बेटी के साथ संबंध के शक में फैमीद ने दीपक का सिर तलवार से काट दिया। पुलिस के खुलासे पर पीड़ित परिवार और ग्रामीणों ने सवाल उठाए और सोमवार शाम करीब छह बजे पोस्टमार्टम के बाद लाए गए दीपक के सिर को किला रोड पर रख जाम लगा दिया। यह धरना–प्रदर्शन और जाम मंगलवार को छह बजे के बाद खत्म हुआ। वहीं मंगलवार दोपहर ही डीएम दीपक मीणा और एसएसपी रोहित सिंह सजवाण मौके पर पहुंचे। पीड़ित परिवार से दोनों अधिकारियों से बातचीत की। मांग रखी गई कि असली हत्यारों को गिरफ्तार करो। सीबीआई या एनआईए से हत्याकांड की जांच कराकर दीपक को इंसाफ दिलाया जाए। पीड़ित परिजनों के लिए एक करोड़ मुआवजे और सरकारी

नौकरी की मांग की। डीएम सभी मांग को पूरा करने का आश्वासन देकर वहां से चले गए। मांगेराम त्यागी, मुखिया गुर्जर ने ग्रामीणों को समझाया कि अब सिर का अंतिम संस्कार करें। तभी मंत्री और पूर्व विधायक के आने की खबर वहां पहुंची। दोनों नेता भी कार्यकर्ताओं के साथ पहुंच गए। पीड़ित परिवार को समझाया और आश्वासन दिया कि इंसाफ दिलाने में वह उनके साथ हैं। धरने–प्रदर्शन में चलती रही उठक–पटक सोमवार शाम छह बजे से मंगलवार शाम छह बजे तक ग्रामीणों का धरना प्रदर्शन रहा। धरने का नेतृत्व करने वाले किसान नेता मांगेराम त्यागी, मुखिया गुर्जर व सचिन सिरोही को समझाने में एसपी देहात, एडीएम, एसडीएम समझाने में लगे थे। धरने पर मंगलवार सुबह से उठक–पटक चलती रही। कभी धरने को खत्म करना तो कभी भाजपा के खिलाफ नारेबाजी करने का विरोध होता रहा। इसके बावजूद भी मंगलवार शाम तक ग्रामीण सड़क पर दीपक के कटा शव रखकर बैठे रहे। पुलिस ने गांव को छावनी बनाया ग्रामीण दीपक के कटे सिर को मेरठ शहर में पुलिस अधिकारियों के ऑफिस पर लेकर जा सकते है। जिसको लेकर बखेड़ा हो सकता है। पुलिस ने गांव को छावनी बना दिया। चप्पे–चप्पे पर पुलिस का पहरा लगाया गया। धरने स्थल के आसपास भारी पुलिस बल लगाया गया। गांव के दोनों तरफ बैरिकेटिंग लगाई गई। रूट डायवर्जन किया गया और पुलिस को निर्देश दिए गए कि गांव से कोई आदमी बाहर नहीं जाना चाहिए। गांव में बाहरी लोगों को रोका जाए। हालांकि ग्रामीण धरने से नहीं हटे।

बीएचयू छात्रा के संग साइबर जालसाजी : व्हाट्सएप से अश्लील वीडियो बनाकर दी वायरल करने की धमकी

वाराणसी ब्यूरो : बीएचयू छात्रा साइबर जालसाजी का शिकार हो गई। जालसाज ने छात्रा को ब्लैकमेल कर 2400 रुपये वसूला और व्हाट्सएप के जरिए न्यूड वीडियो भी बनाया। पीड़िता की तहरीर पर लंका पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। जौनपुर की रहने वाली छात्रा के अनुसार वह बीएचयू से स्नातक कर रही है। आरोप है कि 11 सितंबर की रात व्हाट्सएप पर अनजान नंबर से काल आई। काल करने वाले ने अपने को आईपीएस अंकित गुप्ता बताया और कहा कि वह लखनऊ से बोल रहा है। उसकी प्रोफाइल पर डीआईजी की डीपी लगी थी। छात्रा के अनुसार उसने कहा कि आपकी अश्लील फोटो और वीडियो वायरल है। सुबह आपके घर पुलिस जाएगी। छात्रा के अनुसार यह सुनते ही वह डर गई। कॉल करने वाले ने धमकी दी कि यदि पैसा नहीं दोगी तो वायरल कर दूंगा। छात्रा के अनुसार 2400 रुपये उसके बताए हुए नंबर पर ट्रांसफर कर दिया। इसके बाद भी जालसाज नहीं माना और दोबारा

फोन किया। जालसाज ने कहा कि यहां महिला पुलिस है, जो आपकी बॉडी मैच करेंगी। कुछ महिलाओं के नाम बताकर न्यूड होने को कहा, ऐसा करते ही जालसाज ने वीडियो बना लिया। अब वही, वीडियो बनाकर जालसाज और पैसों की मांग कर रहा है। लंका पुलिस के अनुसार मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

आग लगने के पीछे साजिश : मृतक के पिता ने लगाया आरोप : जांच में खुलेगा राज

आगरा ब्यूरो : आगरा के नरीपुरा स्थित आर मधुराज हॉस्पिटल में बुध ावार की सुबह आग लगने से अस्पताल संचालक राजन, उनके बेटे ऋषि और बेटी सिमरन की मौत हो गई। इस घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बड़ा सवाल यह है कि आग कैसे लगी? मृतक संचालक के पिता ने आग लगने के पीछे साजिश की आशंका जाहिर की है। इसकी शिकायत पुलिस से भी की है। हालांकि पुलिस ने फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए हैं। इसकी रिपोर्ट अभी मिलना बाकी है। अग्निशमन विभाग प्रथम दृष्टया मामला शॉर्ट सर्किट से आग लगने का मान रहा है, लेकिन जांच के बाद ही सही कारण बताने की बात कही है। एसपी सिटी विकास कुमार का कहना है कि जांच के बाद ही कुछ स्पष्ट होगा। मृतक के पिता गोपीचंद ने अस्पताल परिसर में बनी दुकान में आग लगाने का आरोप लगाया है। इसके पीछे साजिश की आशंका जताई। पुलिस को भी अवगत कराया है, जिस पर पुलिस टीम जांच कर रही है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट ने भी साक्ष्य संकलन किया है, जिस जगह पर आग लगी थी, वहां पर फोम मिली है। अब इसमें आग कैसे लगी यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हुआ है। एसपी सिटी विकास कुमार का कहना है कि जांच के बाद ही कुछ स्पष्ट होगा। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अक्षय रंजन शर्मा का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला शॉर्ट सर्किट से आग लगने का लग रहा है। हालांकि अभी जांच की जा रही है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट की रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा

जा सकेगा। लोअर ग्राउंड फ्लोर पर अस्पताल बना हुआ था, जिसमें छह बेड थे। अपर ग्राउंड फ्लोर पर घर और दरवाजे की तरफ दुकान बनी हुई थी। दूसरी मंजिल पर अभी निर्माण कार्य चल रहा है। दुकान के अंदर एक डक्ट बनी हुई थी। इससे ही धुआं घर के अंदर गया। पूरे घर में धुआं भरने से तीनो लोग फंस गए थे। उन्हें बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। दमकल कर्मियों ने उन्हें बाहर निकाला था। अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। दम घुटने से तीनों की मौत हुई है। अस्पताल में आग लगने के जब चीख–पुकार मची तो लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। धुएं के बीच से अस्पताल संचालक और उनकी बेटी और बेटे को बाहर निकालकर लाए। लेकिन उनकी जान नहीं बचा सके। इस दर्दनाक हादसे ने लोगों का दिल झकझोर दिया है।

19 साल पहले हुए दोहरे हत्याकांड के अभियुक्तों को राहत नहीं : दोषियों की अपील खारिज

प्रयागराज ब्यूरो : 19 साल पहले अलीगढ़ के खैर थाना अंतर्गत हुई दो व्यक्तियों की हत्या के मामले में ट्रायल कोर्ट से दोषी पाए गए आरोपियों को हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही माना और उसमें हस्तक्षेप से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने मामले में सही तरीके से विचार किया है,

लिहाजा अपील खारिज किए जाने योग्य है। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने रोहताश सिंह, ओमप्रकाश सिंह सहित 6 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए पारित किया है। मामले में याची ने सत्र न्यायालय अलीगढ़ के फैसले को चुनौती दी थी। सत्र न्यायालय ने दोषी पाए गए सभी छह आरोपियों को आजीवन कारावास और 5000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। याचियों की ओर से कहा गया कि वे निर्दोष हैं और उन्हें रंजिशन फंसाया गया है। घटना में उनका कोई योगदान नहीं रहा है, जबकि विरोधी पक्षों का कहना था कि घटना में दो व्यक्तियों की गोली मारकर हत्या की गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और गवाहों के बयान से इसकी पुष्टि होती है। कोर्ट ने पाया कि अभियोजन द्वारा लगाया गया आरोप सही है और घटना से मिले साक्ष्य, तथ्यों परिस्थितियों और गवाहों के बयान से आरोपियों पर हत्या का आरोप सिद्ध होता है। कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया और याचिकाओं को खारिज करते हुए उन्हें मुकर्रर की गई सजा को सही माना। मामले में संजीव कुमार ने 4 जून 2003 को बबलू व हरवीर सिंह की हत्या करने के मामले में खैर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। ट्रायल कोर्ट ने रोहताश सिंह, ओमप्रकाश सिंह, राजेंद्र, कप्तान सिंह, टीकाराम सिंह, भूरा सिंह उर्फ नेपाल सिंह को दोषी माना और आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

जिम में बच्चा चोरी करने आए युवक को पकड़ा : सीसीटीवी में कैद हुई घटना

सहारनपुर ब्यूरो : उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में शहर के मोहल्ला गोविंदनगर में बच्चा चोरी करने आए युवक को पकड़ लिया। युवक जिम के अंदर घुसा और बच्चे को अपने साथ लेकर जाने लगा। परिवार के लोगों ने पकड़कर युवक को कोतवाली सदर बाजार पुलिस के हवाले

कर दिया। जिम में लगे सीसीटीवी में पूरी घटना कैद हो गई। कोतवाली सदर बाजार क्षेत्र के मोहल्ला गोविंदनगर में सन्नी मोहिनी का जिम है। यहीं पर उनका मकान भी है। उनके मुताबिक, परिवार का ही बच्चा जिम बैठा हुआ था। बुधवार की सुबह एक युवक जिम के अंदर आया, जो बच्चे का हाथ पकड़कर अपने साथ लेकर जाने लगा। जब आरोपी को रोका गया और पूछा तो वह कहने लगा कि बच्चा उसका है। इसी बीच परिवार के लोग एकत्र हो गए और आरोपी युवक को पकड़ लिया। इसी दौरान आसपास के लोग भी आ गए। लोगों ने युवक की पिटाई कर दी। पता लगने पर कोतवाली सदर बाजार पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस युवक को पकड़कर थाने ले आई। युवक ने अपना नाम आमिर निवासी गांव बलवा जनपद शामली बताया है। एएसपी प्रीति यादव ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेजा जाएगा।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/**R-1**
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।